page 1_Layout 1 01-11-2026 22:12 Page 1

डेली
आवाज भारती
बुलंद भारत की बुलंद आवाज़

अनमोल वचन

'जब मनुष्य का मन शांत होता है, तभी वह सच्ची खुशी पाता है।'



पढ़े पृष्ठ 6 पर...

» बरनाला, मोहाली, चंडीगढ़ » सोमवार, 2 नवम्बर 2026 » वर्ष : 01 अंक :190 » मूल्य : 3 रू. » RNI NO. : PBHIN/26/A2687 » स्थानीय संपादक : हेमंत मित्तल

आज का भारती



भारतीय वैज्ञानिक अशोक सेन को मिला 2026 का प्रतिष्ठित ऑस्कर क्लेन मेडल

भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर अशोक सेन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्हें वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित ऑस्कर क्लेन मेडल के लिए चुना गया है। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण शोध और योगदान को देखते हुए यह सम्मान दिया जा रहा है। स्ट्रिंग थ्योरी और ब्लैक होल पर उनके शोध ने विश्वभर में पहचान बनाई है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय वैज्ञानिक प्रतिभा और शोध क्षमता का प्रतीक है।

महिलाओं के मोबाइल फोन पर फिर गूंजी सम्मान राशि की 'टूं-टूं'

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डाले पैसे

डेली आवाज भारती





अबोहर : मांवां-धियां सत्कार योजना के तहत आज फिर पंजाब की महिलाओं के मोबाइल फोन पर 'टूं-टूं' के संदेश गूंजे क्योंकि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा आज 37.43 लाख से अधिक लाभार्थियों को सीधे उनके बैंक खातों में 1,291 करोड़ रुपये की सम्मान राशि ट्रांसफर की गई। अबोहर में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'मुख्यमंत्री मां-धियां सत्कार योजना' का लक्ष्य राज्य की एक करोड़ महिलाओं को इसके दायरे में लाना है, जिनमें से लगभग 80 लाख पंजीकरण पहले ही पूरे हो चुके हैं। इस पहल को एक ऐसा %सामाजिक इंकलाब% करार देते हुए, जिससे महिलाओं की वित्तीय आजादी और स्वाभिमान मजबूत होगा, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नए साल के तोहफे के तौर पर पहली जनवरी को सभी पंजीकृत लाभार्थी महिलाओं को सम्मान राशि की एकमुश्त अदायगी की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि हमारी सरकार स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों, नहरों और 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमे के जरिए लोगों का पैसा लोगों को वापस लौटा रही है। इस मौके के अहम पहलुओं को साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷आज %मुख्यमंत्री मां-धियां सत्कार योजना% के तहत अबोहर में भारी जनसमूह के दौरान पंजाब भर की 37.43 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में 1,291 करोड़ रुपये की सम्मान राशि ट्रांसफर की गई है। यह योजना एक 'सामाजिक इंकलाब' है, जो हमारी बेटियों-बहनों को आर्थिक रूप से मजबूत करेगी और उनके स्वाभिमान को बढ़ाएगी। हमारा लक्ष्य पंजाब की एक करोड़ महिलाओं को इस योजना के घेरे में लाना है। उन्होंने कहा कि हम पंजाब की महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता देने के अपने वादे को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'मांवां-धियां सत्कार योजना' सिर्फ एक वित्तीय सहायता योजना नहीं है, बल्कि माताओं-बेटियों के आत्मविश्वास और स्वाभिमान को मजबूत करने की दिशा में एक सामाजिक क्रांति है।

यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था को तबाह कर रहा है रूस, अंधेरे में हजारों परिवार : जेलेंस्की



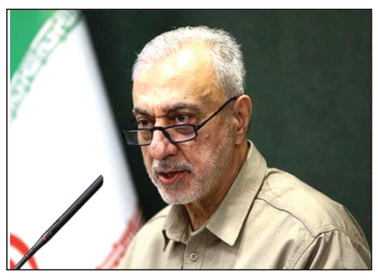
डेली आवाज भारती

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि शनिवार रात रूस ने निप्रो, विन्नित्सिया, जाइटॉमिर और खमेलनित्स्की में हमारे ऊर्जा व्यवस्था पर हमला किया । उन्होंने बताया कि देश के अन् य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को भी रूस लगातार निशाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी दी। उन्होंने पोस्ट किया, 'रूस ने चार क्षेत्रों निप्रो, विन्नित्सिया, जाइटॉमिर और खमेलनित्स्की में हमारे ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया। लोगों के घरों तक बिजली पहुंचाने वाले सबस्टेशन, ट्रांसफॉर्मर और बिजली की लाइनें निशाना बनाई गई। मरम्मत दल हर जगह काम कर रहे हैं। फिलहाल लाखों तो नहीं, सैकड़ों-हजारों परिवार अब भी बिजली के बिना हैं।' राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी रूस के बड़े हमले लगातार जारी हैं। पिछले एक हफ्ते में रूस ने यूक्रेन पर हमला करने वाले 1,940 ड्रोन, 1,580 से ज्यादा गाइडेड एरियल बम और विभिन्न प्रकार की 44 मिसाइलें दागी हैं, जिनमें 36 बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। हमलों की तीव्रता बेहद ज्यादा है और रूस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने वाले इंटरसेप्टरों की कमी का पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम हर दिन अमेरिका, यूरोप और उन अन्य साझेदार देशों से पैट्रियट मिसाइलों की जरूरत के बारे में बात कर रहे हैं जो हमारी मदद कर सकते हैं। इस महीने संयुक्त राज्य अमेरिका और कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए अतिरिक्त सहायता पैकेजों को लेकर नए फैसले भी किए हैं, लेकिन इनकी डिलीवरी में वर्षों नहीं लग सकते। रूस अभी हमारे बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रहा है और हमारे लोगों की जान ले रहा है और वह इस सर्दी में बैलिस्टिक मिसाइलों पर दांव लगा रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि इसीलिए हवाई रक्षा से जुड़े फैसलों को भी तुरंत लागू किया जाना चाहिए। यूक्रेन के आसमान की सुरक्षा में हमारा साथ देने वाले सभी लोगों का मैं धन्यवाद करता हूं।

ईरान की ट्रंप को दो टूक; धमकियों से नहीं होगा युद्ध का अंत, हमला हुआ तो मिलेगा करारा जवाब

कहा. अमेरिका के साथ दोबारा सैन्य टकराव शुरू हुआ तो यह लंबी जंग में बदल सकता

डेली आवाज भारती



तेहरान। ईरान के रक्षा मंत्री मेहरदाद अखलाघी ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर तेहरान पर कोई हमला किया गया तो उसका जवाब आनुपातिक, निर्णायक और प्रभावशाली होगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ दोबारा सैन्य टकराव शुरू हुआ तो यह लंबी जंग में बदल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी मर्जी से यह तय नहीं कर पाएंगे कि युद्ध कब खत्म होगा। ईरानी रक्षा मंत्री ने कहा, ÷जो लोग हमें धमकी देते हैं, वे ईरान की रक्षात्मक प्रतिक्रिया का दायरा, समय या परिणाम तय नहीं कर सकते।÷ उनका कहना है कि किसी भी बाहरी हमले के बाद ईरान अपने हिसाब से जवाबी कार्रवाई करेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच करीब 40 दिनों तक भीषण सैन्य संघर्ष चला। अप्रैल में भारी लड़ाई धीरे-धीरे थम गई थी, लेकिन इसके बाद भी दोनों पक्षों के बीच रुक-रुककर तनाव और जवाबी कार्रवाई का सिलसिला जारी रहा। ईरानी अधिकारियों ने लगातार चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका के साथ फिर युद्ध शुरू हुआ तो यह पहले के संघर्षों से कहीं अधिक लंबा खिंच सकता है।ईरान ने अमेरिका और इजराइल के कथित हमलों से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) को सौंपे हैं। अल जजीरा के अनुसार, इन दस्तावेजों को संगठन के सदस्य देशों के बीच औपचारिक रूप से प्रसारित किया गया है। इन सबूतों को 'महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा' विषय के तहत रखा गया है। लंदन में 2 से 6 नवंबर तक होने वाली परिषद की बैठक में इन पर विचार किया जाना है। ईरान का कहना है कि समुद्री बुनियादी ढांचे पर हमले अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी और नाविकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। उसका दावा है कि समुद्री यातायात नियंत्रित करने वाले तंत्र पर हमलों से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है वहीं, आपातकालीन बचाव केंद्रों के नष्ट होने से समुद्री आपदाओं के समय राहत और बचाव कार्य प्रभावित हो सकते हैं।

अफगानिस्तान में ड्रग्स के नेटवर्क पर शिकंजा

हेरोइन की 8 फैक्ट्रियां तबाह, करोड़ों का नशा जब्त

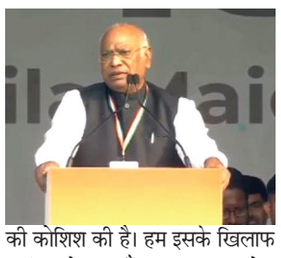
डेली आवाज भारती



काबूल। अफगानिस्तान के पश्चिमी घोर प्रांत में सुरक्षा बलों ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाते हुए हेरोइन बनाने वाली आठ गुप्त प्रयोगशालाओं को नष्ट कर दिया। इस दौरान 17 संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मौलवी अब्दुल रहमान बद्री के मुताबिक, खुफिया जानकारी के आधार पर मादक पदार्थ विरोधी इकाइयों ने चाहरसदा जिले के बाहरी इलाके में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान प्रयोगशालाओं को ध्वस्त किया गया और हेरोइन बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के साथ बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायिक अधिकारियों के हवाले कर दिया गया है। उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मामले से जुड़े दस्तावेज भी सौंप दिए गए हैं। अफगानिस्तान में नशे के खिलाफ अभियान केवल घोर प्रांत तक सीमित नहीं है। इससे पहले 18 अक्टूबर को पश्चिमी फराह प्रांत में पुलिस ने करीब एक टन अवैध नशीले पदार्थों को सार्वजनिक रूप से जला दिया था। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता कलीमुल्लाह नंगयाल के अनुसार, नष्ट किए गए पदार्थों में 955 किलोग्राम अफीम श्रेणी के नशीले पदार्थ, चरस और 36 किलोग्राम मेथामफेटामाइन शामिल थे। इन्हें हाल में चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान जब्त किया गया था। इस कार्रवाई में एक संदिग्ध तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया था। प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद उसे न्यायिक अधिकारियों के हवाले किया जाना था। दक्षिणी हेलमंद प्रांत में भी पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की। प्रांतीय सूचना एवं संस्कृति निदेशालय के अनुसार, 15 अक्टूबर को सांगिन जिले में दो कारों की तलाशी के दौरान 136 किलोग्राम अफीम श्रेणी के नशीले पदार्थ बरामद किए गए। इस मामले में तीन संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के लिए सौंपा जाना था। पश्चिमी हेरात प्रांत में भी नशे के खिलाफ बड़े स्तर पर अभियान चलाया गया।

खड़गे का हमला, 'भाजपा के जाने से ही बचेगा लोकतंत्र, बिहार-यूपी और महाराष्ट्र की सरकारें 'वोट चोरी' से बनीं'

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली को संबोधित करते हुए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार युवाओं, महिलाओं और दलितों के वोट छीनने की कोशिश कर रही है। खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए मोदी सरकार को हटाना जरूरी है और विपक्ष इस लड़ाई को एकजुट होकर लड़ेगा। खड़गे ने कहा, ÷चलो दिल्ली रामलीला मार्च, एक ऐतिहासिक मीटिंग यहां हो रही है। इन्होंने युवाओं, महिलाओं और दलितों का वोट छीनने की कोशिश की है। हम इसके खिलाफ यहां इकट्ठे हुए हैं। जब तक ज्ञानेश कुमार नहीं जाएंगे, तब तक हम नहीं जाएंगे और लड़ते रहेंगे। ज्ञानेश कुमार को छिपाने की कोशिश की जा रही है, मगर वह नहीं छिपेंगे। हम कभी नहीं डरेंगे।÷ कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोगों के वोट बांटने और मतदाता सूची से नाम हटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर विपक्ष का संघर्ष जारी रहेगा। खड़गे ने केंद्र के साथ-साथ महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश की सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इन राज्यों में सरकारें वोट चोरी के जरिए सत्ता में आई हैं। उन्होंने कहा, ÷वे खुद तय करते हैं कि उन्हें कौन वोट देगा। जनता उन्हें नहीं चुनती। मौजूदा केंद्र सरकार के साथ-साथ महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश की सरकारें भी वोट चोरी की सरकारें हैं। हमें इन चोरों को हटाना होगा। खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाना जरूरी है।

मोहब्बत की दुकान खोलने का लाइसेंस कब मिलेगा, रैली ने कांग्रेस के दावों की पोल खोल दीः संबित पात्रा

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने रविवार को कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली में भीड़ जुटने के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 10 लाख लोगों के पहुंचने का दावा किया था, लेकिन मैदान में करीब 28 हजार कुर्सियों की ही व्यवस्था की गई थी। इनमें भी 5 से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं। उन्होंने कहा कि इस रैली ने कांग्रेस के दावों की पूरी पोल खोल दी है। नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी इसी तरह का गलत हिसाब-किताब पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आरोप है कि मतदाताओं के नाम काट दिए गए, लेकिन पार्टी को पहले अपने दावों और जमीनी हकीकत का हिसाब देना चाहिए। संबित पात्रा ने कहा कि रामलीला मैदान लगभग 10 से 12 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें करीब 15 प्रतिशत जगह मंच और उसके सामने बने डी-एरिया ने घेर रखी थी।

राहुल गांधी की चेतावनी, 'वोट चोरी' के मामले में जेल जाएंगे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार को इसके लिए मुकदमे का सामना करना पड़ेगा और उन्हें जेल जाना होगा। इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित %दिल्ली चलो% रैली में राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह सामान्य चोरी नहीं, बल्कि कानूनी भाषा में 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर (दुर्लभतम) श्रेणी का मामला है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर ईवीएम के इस्तेमाल और मतदाता सूची से 13.5 करोड़ नाम हटाने के जरिए वोट चोरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ÷प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए ज्ञानेश कुमार ने जो किया है, वह देशद्रोह और हर नागरिक की आवाज की चोरी के समान है। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को भी संविधान और लोकतंत्र पर कथित हमले के लिए परिणाम भुगतने होंगे। राहुल गांधी ने कहा, ÷जब गृह मंत्री अमित शाह घोषणा करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं, तो हम उन्हें बताना चाहते हैं कि जब तक वे अपने किए की सजा का सामना नहीं करेंगे, हम उन्हें कहीं जाने नहीं देंगे। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव और कई विधानसभा चुनावों में कथित धांधली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि रामलीला मैदान में जुटी भारी भीड़ देश के युवाओं, किसानों और मजदूरों की आवाज है। यह उन लोगों को स्पष्ट संदेश दे रही है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के डायमंड जुबली स्थापना समारोह में लिया हिस्सा, राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित होने पर दी बधाई

डेली आवाज भारती







चंडीगढ़/सुकून महाजन, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज चंडीगढ़ पुलिस के डायमंड जुबली स्थापना समारोह में हिस्सा लिया और चंडीगढ़ पुलिस के राष्ट्रपति पुलिस कलर अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर मिलने पर पुलिस बल के सभी जवानों और जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर मिलना उनकी छह दशकों की सेवाओं, समर्पण और संवेदनशीलता का सम्मान है। कर्तव्य की पूर्ति के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देना किसी भी शहीद के लिए गर्व की बात होती है और यह उसके संगठन के लिए भी सम्मान का विषय है। वर्ष 1966 से लेकर आज तक चंडीगढ़ पुलिस ने इस अद्भुत शहर की सुरक्षा के लिए अथक प्रयास करते हुए एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। श्री अमित शाह ने कहा कि आज चंडीगढ़ पुलिस के बेड़े में 141 नए वाहन शामिल किए जा रहे हैं। इससे त्वरित प्रतिक्रिया, सघन गश्त, गतिशीलता, तकनीक और आधुनिक पुलिसिंग को काफी मजबूती मिलेगी। चंडीगढ़ पुलिस रिस्पॉन्स टाइम के मामले में देश में दूसरे स्थान पर है और 141 नए वाहन मिलने के बाद मुझे विश्वास है कि अगले वर्ष चंडीगढ़ पुलिस देशभर में पहले स्थान पर होगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी पुलिस बल को 15 वर्षों से अधिक की सेवा, जवानों के अनुशासन और उनके समर्पण को देखते हुए राष्ट्रपति पुलिस कलर प्रदान किया जाता है। चंडीगढ़ पुलिस ने पिछले 60 वर्षों में उत्तर भारत के दिल के रूप में पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में बसा चंडीगढ़ भारत का सबसे सुनियोजित शहर माना जाता है, लेकिन जब देश में आतंकवाद का दौर आया तो चंडीगढ़ भी इससे अछूता नहीं रहा। उस समय चंडीगढ़ पुलिस ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए शौर्य, सेवा और सुशासन के माध्यम से न केवल चंडीगढ़ बल्कि पूरे क्षेत्र को आतंकवाद से सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। श्री अमित शाह ने कहा कि 1 नवंबर 1966 को चंडीगढ़ को केंद्र शासित प्रदेश बनाते हुए पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी बनाया गया था। चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा पुलिस और पंजाब पुलिस के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए ट्राईसिटी की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संभाला है।

CMYK

page 2_Layout 1 01-11-2026 19:00 Page 1

निजी संपत्तियों पर लगे भाजपा के संभावित उम्मीदवार एन.के. वर्मा के बैनर फाड़े, वकील समुदाय में रोष

'आप' सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप; नगर काउंसिल खरड़ की कार्रवाई पर उठे सवाल

- वकील नेताओं ने दी कानूनी नोटिस भेजने की चेतावनी, अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग

डेली आवाज भारती





खरड़ (हरतेज सिंह तेजी) : खरड़ विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के संभावित उम्मीदवार और पंजाब भाजपा लीगल सेल के संयोजक एडवोकेट एन.के. वर्मा के निजी संपत्तियों पर लगे बैनरों को नगर काउंसिल कर्मचारियों द्वारा फाड़े जाने का मामला गरमा गया है। इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक विवाद गहरा गया है और क्षेत्र के वकील समुदाय में भारी रोष देखा जा रहा है। एडवोकेट वर्मा ने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) पर राजनीतिक दुर्भावना और बदले की भावना से काम करने का सीधा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके प्रचार बैनर संबंधित संपत्ति मालिकों की लिखित व मौखिक सहमति से निजी जगहों पर लगाए गए थे, जिनका किसी भी सरकारी संपत्ति से कोई संबंध नहीं था। वर्मा ने सवाल उठाया कि जब निजी संपत्ति पर नियमों के तहत बैनर लगे थे, तो नगर काउंसिल को इन्हें हटाने या नुकसान पहुंचाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ %आप% नेताओं के पोस्टर सरकारी संपत्तियों पर बेरोकटोक लगे हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष के वैध प्रचार सामग्री को निशाना बनाया जा रहा है।

मजबूत सामाजिक व कानूनी आधार से घबराई सरकारः वर्मा

एन.के. वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ और भाजपा से प्रबल दावेदारी को देखते हुए सरकार राजनीतिक आशंकाओं से घिर गई है। गौरतलब है कि खरड़ विधानसभा क्षेत्र में लगभग 10 हजार अधिवक्ताओं के अलावा अदालती कर्मचारियों और उनके परिवारों का बड़ा नेटवर्क मौजूद है। साथ ही, लगभग 31.5 प्रतिशत पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की आबादी वाले इस क्षेत्र में वर्मा इसी वर्ग से आते हैं। लगभग 30 वर्षों से भाजपा संगठन में सक्रिय वर्मा पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व सीनियर डिप्टी एडवोकेट जनरल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य भी रह चुके हैं।

वकील समुदाय लामबंद, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए एडवोकेट गीतांजलि बाली ने कहा कि निजी परिसरों पर नागरिकों की सहमति से लगे बैनरों को हटाना पूरी तरह गैर-कानूनी और तानाशाही रवैया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस असंवैधानिक कार्रवाई के खिलाफ नगर काउंसिल खरड़ को औपचारिक कानूनी नोटिस भेजा जाएगा। वहीं, एडवोकेट चरणजीत कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में हर राजनीतिक दल को अपनी बात रखने का समान अधिकार है। इस प्रकार की ओछी राजनीति लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों पर हमला है। एडवोकेट वर्मा ने प्रशासन से मांग की है कि नगर काउंसिल यह स्पष्ट करे कि यह कार्रवाई किस आदेश और किस नियम के तहत की गई, तथा दोषी कर्मचारियों व अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उचित कार्रवाई की जाए।

हरियाणा ने 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया, अब देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प : नायब सिंह सैनी

- कहा, हरियाणा की पहचान मेहनती किसान, बहादुर जवान, धाकड़ खिलाड़ी और सशक्त नारी से है

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ने अपने गठन के 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने हरियाणा को देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है, इसी ध्येय के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का गीता की पावन धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका इस ऐतिहासिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना प्रदेशवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि ओडिशा के मयूरभंज जिले के छोटे से गांव उपरबेड़ा से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का उनका सफर भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और संविधान की गरिमा का प्रतीक है। उनकी यह प्रेरणादायी यात्रा देश की प्रत्येक बेटी, गरीब परिवार और आदिवासी समाज के लिए उम्मीद, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। इसी पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता के माध्यम से कर्तव्य, साहस और लोक कल्याण का दिव्य संदेश दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति की वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर कुरुक्षेत्र यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय राष्ट्रपति ने गीता को मानवता के लिए आध्यात्मिक प्रकाश और जीवन को दिशा देने वाला महान ग्रंथ बताया था। आज उनकी पुनः उपस्थिति इस पावन भूमि के लिए विशेष गौरव का अवसर है। यह उपलब्धि प्रदेश के किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों, व्यापारियों, खिलाड़ियों और माताओं-बहनों के अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान मेहनती किसान, बहादुर जवान, धाकड़ खिलाड़ी और सशक्त नारी से है। प्रदेश की बेटियां आज खेतों से लेकर खेल के मैदानों तक, सेना से लेकर स्टार्टअप तक प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और प्रदेश का गौरव बढ़ा रही हैं।

विकसित हरियाणा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है : राज्यपाल घोष

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छह दशकों की यह यात्रा केवल एक नए राज्य के निर्माण और विकास की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, श्रम, आत्मसम्मान, कर्तव्यनिष्ठा और सामूहिक संकल्प की ऐसी गाथा है, जिसने प्रदेश को राष्ट्रीय पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। हरियाणा की असली ताकत यहां की मिट्टी से जुड़े वे जीवन मूल्य हैं, जो किसान के परिश्रम, सैनिक के साहस और खिलाड़ी के अनुशासन में दिखाई देते हैं। राज्यपाल रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं तथा समारोह की गरिमा बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था। गीता में निहित निष्काम कर्म, कर्तव्य और धर्म का संदेश आज भी मानव जीवन को दिशा देने की क्षमता रखता है। हरियाणा के सामाजिक चरित्र में भी इसी कर्मप्रधान दर्शन की झलक दिखाई देती है। यहां का किसान बिना थके खेतों में परिश्रम करता है, सैनिक निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करता है और खिलाड़ी अपने अनुशासन एवं समर्पण से देश का गौरव बढ़ाता है। ये सभी हरियाणा की उस जीवंत परंपरा के प्रतीक हैं, जिसमें कर्म को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कृषि प्रधान राज्य के रूप में भारत की हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज यह राज्य कृषि, उद्योग, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और खेल के क्षेत्र में अग्रणी है।

हरियाणा स्टेट एमएमए चैंपियनशिप में चंडीगढ़ के किंग्स एमएमए क्लब का दबदबा, जीते सात पदक

- गौरव कंबोज और भानु प्रताप सिंह ने हासिल किया स्वर्ण, खिलाड़ियों ने दो गोल्ड, तीन सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। हरियाणा के सोनीपत स्थित ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी में आयोजित हरियाणा स्टेट एमएमए चैंपियनशिप में किंग्स एमएमए फाइट क्लब, चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात पदक अपने नाम किए। 30 और 31 अक्टूबर को आयोजित इस प्रतियोगिता में चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने दो गोल्ड, तीन सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। एमएमए स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ हरियाणा (स्क्स्स्ा) की ओर से आयोजित इस चैंपियनशिप में गौरव कंबोज और भानु प्रताप सिंह ने गोल्ड मेडल जीतकर क्लब का नाम रोशन किया। वहीं अक्षय, भविष्य सोनी और शिवम ने सिल्वर तथा कुणाल पवार और ताज खान ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए। इनके अलावा आदित्य कृष्णा, रवि कुमार और अभिषेक ने भी प्रतियोगिता में क्लब का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता का आयोजन ध्रुव सान्याल, पुलकित और उदय राणा की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर मिनर्वा अकादमी के संस्थापक रंजीत बजाज, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल, एशियन गेम्स पदक विजेता सुचिका तारियाल और हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे। किंग्स एमएमए के कोच सूरज कबीर वर्मा और असिस्टेंट कोच नमन शर्मा ने खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि टीम का लक्ष्य अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करना है। उन्होंने कहा कि एमएमए स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ हरियाणा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और इस खेल को देशभर में लोकप्रिय बनाने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध करा रहा है।

अमृतसर में काउंटर इंटेलिजेंस की बड़ी कार्रवाई, नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 किलो हेरोइन बरामद

- दो आरोपी गिरफ्तार, अज्ञात तस्करों से हेरोइन की खेप लेकर पंजाब में करते थे सप्लाई

डेली आवाज भारती



अमृतसरः नवंबर पंजाब में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशा तस्करी के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस टीम ने इस कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5 किलो हेरोइन बरामद की है। इस बड़ी बरामदगी को नशा तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम में अहम सफलता माना जा रहा है। पंजाब पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी अज्ञात व्यक्तियों से हेरोइन की खेप प्राप्त करते थे और बाद में इसे पंजाब के विभिन्न हिस्सों में अन्य लोगों तक पहुंचाते थे। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क के पीछे कई अन्य लोग भी सक्रिय हो सकते हैं, जिनकी पहचान करने के लिए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि नशा तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपियों को हेरोइन की सप्लाई कहां से मिलती थी, इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं और नशे की खेप को आगे किन लोगों तक पहुंचाया जाता था। इसके साथ ही पुलिस आरोपियों के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है, ताकि नशा तस्करी के इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सके। पुलिस का मानना है कि इस कार्रवाई से नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया है कि राज्य में नशा तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

नूंह में गोतस्कर और सीआईए के बीच मुठभेड़, पुलिस की जवाबी फायरिंग में तस्कर घायल

डेली आवाज भारती



नूंह। हरियाणा के नूंह से बड़ी खबर सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के घासेड़ा गांव में सीआईए नूंह और गोतस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। जानकारी के अनुसार तस्कर ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तस्कर के पैर में गोली लग गई। आरोपी की पहचान दिलशाद उर्फ दिल्ला निवासी सुडाका के रूप में हुई है। मौके से पुलिस ने 3 गोवंश, एक देसी कट्टा और एक कारतूस बरामद किया है। घायल तस्कर को शहीद हसन खां नल्हड़ मेडिकल कॉलेज नूंह में भर्ती कराया गया है। यह पूरी कार्रवाई सीआईए इंचार्ज निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में हुई। इससे पहले 17 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के बलिया में भी पुलिस ने एक शातिर गोतस्कर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। उस मुठभेड़ में भी अपराधी घायल हो गया था और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बलिया में थाना गड़वार में दर्ज एक गोहत्या के मामले में वांछित आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। बलिया सीओ सतीश कुमार ने बताया था कि आरोपी शाहपुर नट बस्ती नहर पुलिया के पास खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग करने लगा था। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश सगुनी नट के बाएं पैर में गोली लगी थी। पुलिस ने घायल तस्कर को सीएचसी रतसड़ में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा था। पूछताछ में पता चला था कि आरोपी अपने साथियों के साथ आवारा गोवंशीय पशुओं को वाहन में लादकर वध के लिए बिहार ले जाता था।

पंजाब : आप की पहली लिस्ट पर भाजपा का निशाना

विजय सांपला बोले- होर्डिंग पर ईमानदार पर लिस्ट में भ्रष्टाचारी

डेली आवाज भारती



होशियारपुर। आम आदमी पार्टी द्वारा पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि होर्डिंग लगाकर खुद को ईमानदार बताने वाली सरकार की लिस्ट में पहले नंबर पर खुद सीएम भगवंत मान हैं जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं और भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद संजीव अरोड़ा को लुधियाना से टिकट दिया गया है, जिससे साबित होता है कि आप भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाली पार्टी है। सांपला ने पंजाब में कानून-व्यवस्था को सबसे खराब बताया। आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट घोषित कर दी है। इस लिस्ट में भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद संजीव अरोड़ा का नाम भी शामिल है। इस संबंध में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला ने कहा, पंजाब में होर्डिंग लगाकर अपने आपको ईमानदार बताने वाले सीएम आज क्या जवाब देंगे? लिस्ट जो जारी हुई है, उसमें पहले नंबर पर तो भगवंत मान ही हैं, जिनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सवाल उठते रहे हैं, उनके सीएम ऑफिस के अधिकारियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। उनके मंत्री रहे संजीव अरोड़ा, जिन्हें लुधियाना से टिकट दिया गया है, उन पर भी गंभीर आरोप हैं। अपने आपको ईमानदारी की छवि वाली सरकार और जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने वाली पार्टी बताने वाली आम आदमी पार्टी के लोग ही भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं। पार्टी ने उन्हीं लोगों को टिकट देकर यह साबित कर दिया है कि यह भ्रष्टाचार को प्रोत्साहित करने वाली पार्टी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे खराब है। हर जगह धमकियां और फिरौती के फोन आ रहे हैं। यहां तक कि हत्या होना भी अब आम बात बन गई है। इसमें परमिंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। वहीं अजय अटवाल, जो मंदिर में अपनी बैठक कर रहे थे, उन्हें गोलियां मार दी गईं। हर दिन कहीं न कहीं एक-दो हत्या के मामले सामने आ रहे हैं और पंजाब सरकार इस पर आंखें मूंदकर बैठी हुई है। कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

भारत को शोधकर्ताओं, उद्यमियों, उत्पाद विकासकर्ताओं, शिक्षकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों की आवश्यकता : जितिन प्रसाद

विश्वविद्यालय का पहला बैच इसकी नींव का हिस्सा बनेगाः एस. कृष्णन, सचिव, एमईआईटीवाई

डेली आवाज भारती





रूपनगर, चंडीगढ़, 1 नवंबर 2026ः इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) मानित विश्वविद्यालय (एनडीयू) का पहला दीक्षांत समारोह आज पंजाब के रूपनगर (रोपड़) स्थित बड़ा फूल में इसके मुख्य परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 102 स्नातकों को स्नातकोत्तर डिग्रियां प्रदान की गई। वर्ष 2024 में एनआईईएलआईटी को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा मिलने के बाद यह पहला स्नातक बैच है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आठ स्वर्ण पदक और पांच रजत पदक प्रदान किए गए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री और विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर, माननीय श्री जितिन प्रसाद का औपचारिक संदेश एनआईईएलआईटी रोपड़ के कार्यकारी निदेशक श्री दीपक वासन द्वारा पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में श्री जितिन प्रसाद ने कहा कि भारत की प्रौद्योगिकी यात्रा एक नए चरण में प्रवेश कर रही है और इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में देश की क्षमताओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को ऐसे कुशल पेशेवरों की आवश्यकता है, जो प्रौद्योगिकियों का डिजाइन, विकास, सुरक्षा, विनिर्माण और सुधार कर सकें। शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने हेतु संस्थानों को मजबूत शैक्षणिक आधार के साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को ऐसे शोधकर्ताओं, उद्यमियों, उत्पाद विकासकर्ताओं, शिक्षकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों की आवश्यकता है, जो जनकल्याण में योगदान दे सकें और देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकें। पहले ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह के अवसर पर स्नातकों को बधाई देते हुए उन्होंने उनसे अपने ज्ञान का उपयोग स्वयं के लिए और अपने समुदायों के लिए अवसर सृजित करने तथा विकसित भारतञ्च2047 के विजन में योगदान देने का आग्रह किया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन, आईएएस, मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में मंत्रालय के लंबे अनुभव तथा उच्च शिक्षा और अनुसंधान पर केंद्रित विश्वविद्यालय व्यवस्था से जोड़ने के महत्व की दिशा में इसके परिवर्तन को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि संस्थान से मंत्रालय की अपेक्षाएं केवल स्नातक तैयार करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसमें अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देना, उद्योग जगत के साथ संबंधों को मजबूत करना और सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा तथा दूरसंचार सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप तेजी से कार्य करना भी शामिल है।पहले स्नातक बैच के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री कृष्णन ने कहा, ÷किसी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा समय के साथ बनती है और उसके पहले स्नातक संस्थान की उस नींव का हिस्सा बन जाते हैं।÷ उन्होंने सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने और देश के तकनीकी विकास में योगदान देने में शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) एम. एम. त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें संस्थान के विस्तारित शैक्षणिक आधार, अनुसंधान पहलों, बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक उपलब्धियों को रेखांकित किया गया।

CMYK

page 3_Layout 1 01-11-2026 19:12 Page 1

डेली आवाज पंजाब

बरनाला, संगरूर ⟫ सोमवार , 2 नवम्बर 2026

पंजाब में 35 स्पेशल NDPS कोर्ट बनेंगे! मान कैबिनेट ने लिया बड़ा फैसला



चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में आज हुई पंजाब कैबिनेट की मीटिंग में राज्य भर में 35 स्पेशल ह्यक्क (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) कोर्ट बनाने को हरी झंडी दे दी गई है। इस कदम का मुख्य मकसद ड्रग्स से जुड़े मामलों का निपटारा तेज़ी से करना, कोर्ट में पेंडिंग मामलों की संख्या कम करना और ड्रग्स के खिलाफ मुहिम को और मज़बूत करना है।

यह फैसला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ऑफिस के एक प्रवक्ता ने कहा, ÷पंजाब ड्रग ट्रैफिकिंग और इसके इस्तेमाल की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। राज्य में हर साल लगभग 20,000 ह्यक्क केस रजिस्टर होते हैं और लगभग 27,000 गिरफ्तारियां होती हैं। इनमें से लगभग 12,000 केस सेशन कोर्ट में सुने जाते हैं, जबकि हर साल लगभग 5,700 केस ही निपटाए जाते हैं। इस वजह से 31 अगस्त, 2026 तक पेंडिंग केस की संख्या बढ़कर 52,577 हो गई है। नतीजतन, ऐसे केस को निपटाने में औसतन आठ साल लगते हैं।÷ गौरतलब है कि पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ने अगले पांच से सात सालों में पुराने पेंडिंग केस को निपटाने के लिए और स्पेशल ह्यक्क कोर्ट की ज़रूरत का अंदाज़ा लगाया था। इसे देखते हुए कैबिनेट ने पहले फेज़ में ऐसे 35 स्पेशल कोर्ट बनाने को मंज़ूरी दी है। इसके साथ ही, 385 नई पोस्ट भी मंज़ूर की गई हैं, जिनमें 35 एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन जज, 315 असिस्टेंट स्टाफ मेंबर और 35 असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी शामिल हैं। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च समेत लगभग 75 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट को भी मंज़ूरी दी गई है।

उन्होंने कहा कि जब तक नए स्पेशल ह्यक्क कोर्ट पूरी तरह से काम नहीं करने लगते, तब तक मौजूदा डेज़िग्नेटेड कोर्ट काम करते रहेंगे। ये डेज़िग्नेटेड कोर्ट ह्यक्क केसों को तेज़ी से निपटाने में मदद करेंगे, केसों में देरी और पेंडेंसी को कम करेंगे और सरकारी गवाहों के समय का बेहतर मैनेजमेंट पक्का करेंगे। यह पहल ड्रग्स से जुड़े अपराधों के खिलाफ ज्यूडिशियल सिस्टम को मज़बूत करेगी और राज्य से ड्रग्स की तस्करी की चेन को तोड़ने की पंजाब सरकार की कोशिशों को और बढ़ावा देगी।

सुनाम हलके के सर्वांगीण विकास और लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं देने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी: अमन अरोड़ा

सुनाम, चीमा और लोंगोवाल में लगभग 66 लाख रुपये के विकास कार्यों की शुरुआत; 510 स्ट्रीट लाइटें, 71 सीसीटीवी कैमरे और तीन सार्वजनिक शौचालयों की मिलेगी सुविधा

डेली आवाज भारती



सुनाम, मोहिंदर सिंह। पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि सुनाम विधानसभा हलके के सर्वांगीण विकास, शहरी सौंदर्यीकरण और लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार लोगों की जरूरतों के अनुसार विकास कार्य करवाने और सार्वजनिक सुविधाओं के निरंतर रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुनाम, चीमा और लोंगोवाल में लगभग 66 लाख रुपये की लागत वाले विकास कार्यों की शुरुआत के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि इन प्रोजेक्टों के तहत तीनों शहरों में कुल 510 नई स्ट्रीट लाइटें और 71 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा सुनाम के नया बाजार, पुरानी अनाज मंडी और पीर वाला गेट में तीन आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाए जा रहे हैं, जिनसे बाजारों में आने वाले लोगों और दुकानदारों को सुविधा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि स्ट्रीट लाइटें लगने से रात के समय आवागमन आसान होगा, जबकि सीसीटीवी कैमरों से सार्वजनिक स्थानों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि लाइटें और कैमरे लगाने का काम अगले 15 से 20 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। श्री अरोड़ा ने कहा कि इन सुविधाओं के साथ-साथ उनके रखरखाव का भी पुख्ता प्रबंध किया गया है। संबंधित कंपनी के साथ पांच साल का रखरखाव समझौता किया गया है, जिसके तहत किसी भी लाइट या कैमरे के खराब होने पर कंपनी उसकी मरम्मत या जरूरत के अनुसार उसे बदलने के लिए जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन से तैयार की गई सुविधाओं का लाभ लोगों को लंबे समय तक मिलना सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खराबी की शिकायत दर्ज करवाने के लिए संपर्क नंबर 82690-00302 सार्वजनिक किया गया है। यह नंबर प्रत्येक खंभे पर दर्ज किया जाएगा, ताकि लोग जरूरत पड़ने पर सीधे संपर्क कर सकें। रेलवे अंडरब्रिज के पास सड़क की समस्या के बारे में श्री अरोड़ा ने कहा कि रेलवे विभाग की ओर से काम में हो रही देरी के कारण लोगों को पेश आ रही परेशानियों को देखते हुए नगर कौंसिल अपने स्तर पर इस सड़क का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर करवाएगी। 'मेरी दुकान मेरे नाम' योजना के बारे में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लंबे समय से दुकानें चलाकर अपने परिवारों का पालन-पोषण कर रहे पात्र दुकानदारों को मालिकाना हक देना पंजाब सरकार का एक महत्वपूर्ण जनहितैषी प्रयास है। उन्होंने बताया कि योजना की शर्तों के अनुसार सरकारी या म्युनिसिपल संपत्तियों में 12 साल से अधिक समय से दुकानें चला रहे पात्र कारोबारियों को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। सुनाम में ऐसे 182 दुकानदारों की पहचान की गई है। श्री अरोड़ा ने

'युद्ध नशों के विरुद्ध'

विभिन्न मामलों में 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार, एक फरार

डेली आवाज भारती



मूनक, मोहिंदर सिंह, डॉ. रवजोत ग्रेवाल, एसएसपी संगरूर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि सब-डिवीजन मूनक पुलिस द्वारा 'युद्ध नशों के विरुद्ध' और पिंडां दे पहरेदार' अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 26 अक्टूबर 2026 से 01 नवंबर 2026 तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 02 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में 02 आरोपियों को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवाया गया। इसके अलावा, विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामलों में 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में फरार चल रहे 01 आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त, ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के 68 ट्रैफिक चालान किए गए। संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान 48 व्यक्तियों के खिलाफ धारा 172 ब्नहस्स के तहत कार्रवाई की गई तथा 02 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई अमल में लाई गई। आम जनता से भी नशा विरोधी अभियान में सहयोग देने की अपील की गई है। नशों के दुष्प्रभावों के बारे में पंचायतों, स्पोर्ट्स क्लबों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठकें करके आम लोगों को जागरूक किया जा रहा है, ताकि नशे की बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके। नशे का कारोबार करने वालों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नशों की रोकथाम के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। नशों के खिलाफ जंग लगातार जारी है।

गूगल-पे के जरिए 98 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी; ढालपुर में युवक के साथ धोखाधड़ी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

डेली आवाज भारती



कुल्लू। जिला कुल्लू में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब ढालपुर निवासी एक व्यक्ति के बेटे के साथ गूगल-पे के माध्यम से 98 हजार रुपए की धोखाधड़ी होने का मामला सामने आया है। व्यक्ति ने पुलिस थाना कुल्लू में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ढालपुर निवासी एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके बेटे के साथ गूगल-पे के माध्यम से ऑनलाइन पैसों की धोखाधड़ी हुई है। इस दौरान कुल 98 हजार रुपए की राशि ठगी गई। ऑनलाइन ठगी के कारण परिवार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को लेन-देन से संबंधित विवरण और उपलब्ध साक्ष्य भी सौंपे हैं, ताकि मामले की जांच में मदद मिल सके। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब संबंधित लेन-जदेन और इसमें संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है। मामले की पुष्टि एसपी कुल्लू अभिषेक एस ने की है।

पराली जलाने से रोकने के लिए जिला प्रशासन सख्त, डीसी और एसएसपी ने खेतों का किया दौरा

- खुड्डी कलां में 15 एकड़ जमीन पर बेलर मशीनों से बनाई जा रही पराली की गांठों का लिया जायजा

डेली आवाज भारती



बरनाला/ नवीन काली, जिले में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने और पराली के उचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में 1 नवंबर को डिप्टी कमिश्नर बरनाला हरप्रीत सिंह और एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम ने गांव खुड्डी कलां के खेतों का विशेष दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने करीब 15 एकड़ क्षेत्र में बेलर मशीनों के माध्यम से पराली की गांठें तैयार करने के कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बेलर मशीन संचालकों से बातचीत की और पराली प्रबंधन में उनके योगदान की सराहना की। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि पराली को आग लगाने की बजाय उसकी गांठें बनाकर सुरक्षित रखना पर्यावरण और जमीन की उपजाऊ शक्ति दोनों के लिए फायदेमंद है। उन्होंने सभी क्लस्टर और नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लगातार फील्ड में मौजूद रहकर निगरानी करें, ताकि आने वाले दिनों में पराली जलाने की घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति पराली को आग लगाता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फिरोजपुर में तीन मासूम बच्चियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, गांव में पसरा मातम

दो बच्चियां सगी बहनें, कुछ ही घंटों में बिगड़ी तबीयत; मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें

डेली आवाज भारती



फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर जिले के गांव मोहरे वाला में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में तीन मासूम बच्चियों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार की दो बहनें भी शामिल हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीनों बच्चियों की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उनके मुंह से झाग निकलने लगी। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मृतक बच्चियों में एक की उम्र 7 साल, दूसरी की 11 महीने और तीसरी की 6 महीने बताई जा रही है। शुरुआती जानकारी में दूध और खाने-पीने की चीजों को लेकर आशंका जताई गई है। हालांकि, अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि बच्चियों की मौत दूध, भोजन या किसी अन्य कारण से हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांव पहुंचीं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पानी, दूध और खाद्य पदार्थों के सैंपल जांच के लिए लेने की कार्रवाई की गई है। वहीं, पुलिस परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीनों बच्चियों की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और लैब जांच के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

लोक सेवा शिविर ने सेखा के दिहाड़ीदार परिवार की बेटियों के जीवन में भरी नई रोशनी

- जिला रेडक्रॉस सोसायटी ने दोनों बहनों की आंखों के तिरछेपन का करवाया मुफ्त इलाज, परिवार ने प्रशासन का जताया आभार

डेली आवाज भारती



बरनाला/नवीन काली, जिला रेडक्रॉस सोसायटी बरनाला की ओर से जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही छत के नीचे उपलब्ध करवाने के लिए लगाए जा रहे लोक सेवा शिविर जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इसी कड़ी में गांव सेखा के एक दिहाड़ीदार परिवार की दो बेटियों का आंखों के तिरछेपन का मुफ्त इलाज करवाकर उनके जीवन में नई रोशनी लाई गई है। गांव सेखा निवासी 40 वर्षीय दिहाड़ीदार राजविंदर सिंह को जब पता चला कि गांव में जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से लोक सेवा शिविर लगाया जा रहा है, जहां मुफ्त मेडिकल सुविधाओं के साथ सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन भी करवाए जा रहे हैं, तो वह अपनी दोनों बेटियों को लेकर शिविर में पहुंचे। राजविंदर सिंह की छठी कक्षा में पढ़ने वाली 12 वर्षीय बड़ी बेटी सुखमनप्रीत कौर और पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली 10 वर्षीय छोटी बेटी बेअंत कौर की नजर कमजोर थी। दोनों बच्चियां जन्म से ही आंखों के तिरछेपन की समस्या से भी पीड़ित थीं। शिविर में आंखों की जांच के दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों ने परिवार को बताया कि उचित इलाज से दोनों बच्चियों की हालत में सुधार संभव है। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष हरप्रीत सिंह आईएएस ने गांव सेखा में लगाए गए शिविर का दौरा किया।

पराली प्रबंधन का जायजा लेने पंजाब पहुंची केंद्र की टीम, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

संगरूर। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने और फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन का जायजा लेने के लिए केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) की उच्चस्तरीय टीम ने संगरूर, पटियाला और मालेरकोटला जिलों का दौरा किया। टीम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर पराली प्रबंधन के इंतजामों की समीक्षा की और निर्देश दिए कि कागजों में तय लक्ष्यों के अनुसार जमीनी स्तर पर भी काम सुनिश्चित किया जाए। टीम में आयोग के तकनीकी सदस्य डॉ. एस.डी. अत्री और वैज्ञानिक विजय कुमार शामिल थे। संगरूर में आयोजित बैठक में तीनों जिलों के उपायुक्तों, पुलिस अधिकारियों, पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और कृषि विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में पराली प्रबंधन मशीनों की उपलब्धता, खेतों में निगरानी और पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई।

जिला संगरूर में जनगणना-2027 के दूसरे चरण के संबंध में गणनाकारों और सुपरवाइजरों की ट्रेनिंग पूरी

डेली आवाज भारती



संगरूर, मोहिंदर सिंह, जनगणना-2027 के दूसरे चरण (Population Enumeration) को सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए जिला संगरूर में प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर श्रीमती पूनमदीप कौर के नेतृत्व में सभी सेंसस चार्जों में गणनाकारों और सुपरवाइजरों की ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है। ये ट्रेनिंग 05 अक्टूबर, 2026 को शुरू हुई थी और 31 अक्टूबर, 2026 को संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि जिला संगरूर में कुल 17 सेंसस चार्ज हैं, जिनमें 10 शहरी और 7 ग्रामीण चार्ज शामिल हैं। ट्रेनिंग के दौरान गणनाकारों और सुपरवाइजरों को जनगणना के दूसरे चरण से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, निर्धारित दिशा-निर्देशों और कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रिंसिपल सेंसस ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा जनगणना-2027 के दूसरे चरण को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। ट्रेनिंग पूरी होने से जिले में जनगणना के अगले चरण की तैयारियों को और मजबूती मिली है।

किसान सूखी फसल ही मंडियों में लाएं: डिप्टी कमिश्नर

- जिले की मंडियों में धान की खरीद का काम जारी, अब तक 3,46,866 मीट्रिक टन धान की आमद, किसानों को 646 करोड़ रुपये का भुगतान

डेली आवाज भारती



बरनाला/गोपाल। डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह आईएएस ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अपनी धान की फसल अच्छी तरह सुखाकर ही मंडियों में लेकर आएं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सीजन के दौरान जिला बरनाला की मंडियों में धान की आमद, खरीद, लिफ्टिंग और किसानों को भुगतान का काम लगातार जारी है। उन्होंने किसानों से निर्धारित मापदंडों का पालन करते हुए अपनी फसल मंडियों में लाने की अपील की, ताकि धान बेचते समय उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि बीती शाम तक जिले की विभिन्न मंडियों में कुल 3,46,866 मीट्रिक टन धान की आमद हुई है, जिसमें से अब तक 3,09,828 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। किसानों को अब तक 646 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि खरीद एजेंसियों में पनग्रेन द्वारा 1,33,547 मीट्रिक टन, मार्कफेड द्वारा 75,017 मीट्रिक टन, पनसप द्वारा 65,588 मीट्रिक टन, पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा 35,096 मीट्रिक टन और व्यापारियों द्वारा 580 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि फसल की लिफ्टिंग का काम भी लगातार जारी है। अब तक पनग्रेन द्वारा 75,461 मीट्रिक टन, मार्कफेड द्वारा 38,386 मीट्रिक टन, पनसप द्वारा 34,580 मीट्रिक टन, पंजाब स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा 20,075 मीट्रिक टन और व्यापारियों द्वारा 580 मीट्रिक टन धान की लिफ्टिंग की जा चुकी है।

page 4_Layout 1 01-11-2026 21:08 Page 1

संगरूर रैली की तैयारियों को लेकर गांव रकौली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष रणजीत सिंह जीती पडियाला ने कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारियां, खरड़ हलके से बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर

डेली आवाज भारती



कुराली। (हरतेज सिंह तेजी) जिला कांग्रेस कमेटी मोहाली के पूर्व अध्यक्ष रणजीत सिंह जीती पडियाला की अगुवाई में विधानसभा हलका खरड़ के गांव रकौली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 4 नवंबर को संगरूर में कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित की जाने वाली रैली की तैयारियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान रैली में खरड़ विधानसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी तय की गई। बैठक को संबोधित करते हुए रणजीत सिंह जीती पडियाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत उसके मेहनती और समर्पित कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी से ही पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संगरूर में होने वाली रैली को सफल बनाने के लिए खरड़ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे। जीती पडियाला ने कहा कि पंजाब की जनता मौजूदा सरकार की कार्यप्रणाली से निराश है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोगों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं कर पाई है। ऐसे में जनता की समस्याओं और मांगों को प्रभावी ढंग से उठाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आम लोगों की आवाज बनकर उनके अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने तथा गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क बनाए रखने का भी आह्वान किया। बैठक के दौरान रैली की तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर तरलोचन सिंह नंगल सिंघां, करमजीत सिंह सरपंच, गुरमीत सिंह पूर्व सरपंच, बावा सिंह पंच, गुरविंदर सिंह और नायब सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद मलविंदर सिंह कंग ने खरड़ में एम.पी. लैड फंड से स्थापित ओपन जिमों का किया उद्घाटन

गुरफतेह टाउन वार्ड नंबर 1 और वर्ल्ड वन रेजीडेंसी सेक्टर-115 में 7 लाख रुपये की लागत से स्थापित करवाए गए जिम





डेली आवाज भारती

खरड़, (हरतेज सिंह तेजी) श्री आनंदपुर साहिब से सांसद स. मलविंदर सिंह कंग ने खरड़ विधानसभा क्षेत्र के गुरफतेह टाउन वार्ड नंबर 1 और वर्ल्ड वन रेजीडेंसी, सेक्टर-115 में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एम.पी. लैड) के तहत 7 लाख रुपये की लागत से स्थापित करवाए गए ओपन जिमों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सांसद स. मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इन ओपन जिमों की स्थापना का उद्देश्य युवाओं, बुजुर्गों और अन्य निवासियों को अपने रिहायशी क्षेत्रों में ही व्यायाम की सुविधा उपलब्ध करवाना तथा उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि एम.पी. लैड फंड के माध्यम से ऐसे विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिल सके। ओपन जिमों की स्थापना से क्षेत्रवासियों को शारीरिक तंदुरुस्ती के लिए सुविधाजनक और सुलभ स्थान उपलब्ध होंगे। दोनों स्थानों पर आयोजित उद्घाटन समारोहों के दौरान सोसायटी के प्रतिनिधि और क्षेत्र के अन्य निवासी उपस्थित थे। सांसद स. कंग ने यह भी बताया कि खरड़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न शहरी वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में एम.पी. लैड योजना के तहत पूरे किए गए अन्य विकास कार्यों का उद्घाटन भी आने वाले दिनों में किया जाएगा।

संगरूर की इंसाफ महारैली में खरड़ हलके से पहुंचेंगे हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता : विजय शर्मा टिंकू

डेली आवाज भारती



खरड़, (हरतेज सिंह तेजी),सनदीप अकालगढ़िया: संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित की जाने वाली इंसाफ महारैली में विधानसभा हलका खरड़ से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता बड़े काफिले के रूप में शामिल होंगे। यह दावा विधानसभा हलका खरड़ के कांग्रेस प्रभारी विजय शर्मा टिंकू ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए किया। विजय शर्मा टिंकू ने कहा कि संगरूर में होने वाली इंसाफ महारैली को लेकर हलका खरड़ के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। रैली में शामिल होने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि हलका खरड़ से हजारों कार्यकर्ता बसों और अन्य वाहनों के माध्यम से संगरूर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि इस महारैली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परगट सिंह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के स्वागत के लिए हलका खरड़ से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी पहुंचेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए विजय शर्मा टिंकू ने कहा कि पंजाब की जनता वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों में बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के लोग कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जनादेश देकर पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में लोगों को संगरूर महारैली में लेकर पहुंचें। उन्होंने पार्टी नेताओं को बसों और अन्य वाहनों की व्यवस्था करने तथा कार्यकर्ताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदारियां भी सौंपीं।

बैठक में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी मोहाली के महासचिव बाबू सिंह पमौर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनजीत सिंह नयागांव, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता मंगत खान झंजेड़ी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता गगनदीप सिंह तोले माजरा, माइनॉरिटी विंग के चेयरमैन मनवर इकबाल, खरड़ के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गुरिंदर सिंह वैदवान, माजरी के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मदन सिंह मानकपुर शरीफ, खरड़ ब्लॉक अध्यक्ष सतनाम सिंह, मास्टर सुखजीत सिंह सवाड़ा, अमन शर्मा झंजेड़ी, विशाल वट्टू खरड़, गुरिंदर सिंह कोरे, मनप्रीत सिंह बत्रा, नयागांव के पार्षद अनिल कुमार, एडवोकेट कुलदीप सिंह तिऊड़, मनजीत सिंह भजौली, वरिंदर भामा, पड़ौल के पूर्व सरपंच कुलविंदर सिंह, निर्मल सिंह हरलालपुर तथा विजय शर्मा टिंकू के निजी सचिव कुलदीप सिंह ओइंद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'आप' में मची भगदड़, 30 से अधिक मौजूदा विधायक पार्टी छोड़ने को तैयारः डॉ. राजकुमार वेरका

डेली आवाज भारती



अमृतसरः1 (सलोनी नेहा गिल) : पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. राजकुमार वेरका ने आम आदमी पार्टी (क्क) और भगवंत मान सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के दो मौजूदा विधायकों–हरमीत सिंह पठानमाजरा और चेतन सिंह जोड़ामाजरा के इस्तीफे के बाद पार्टी के अंदर भारी उथल-पुथल मची हुई है। डॉ. वेरका ने चुटकी लेते हुए कहा कि आज आम आदमी पार्टी में हर तरफ %माजरा% ही %माजरा% नजर आ रहा है–कहीं भ्रष्टाचार का माजरा, कहीं नशे का माजरा तो कहीं मुख्यमंत्री के परिवार और दिल्ली से आए एजेंटों की कथित लूट का माजरा। डॉ. वेरका ने दावा किया कि उनके पास पुख्ता जानकारी है कि आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के 30 से अधिक मौजूदा विधायक पार्टी को अलविदा कहने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में जिस तरह से कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, सरेआम फिरौतियां मांगी जा रही हैं और नशा लगातार नौजवानों को अपनी चपेट में ले रहा है, उससे आम जनता के साथ-साथ सत्ता पक्ष के विधायक भी खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। मौजूदा विधायकों को अच्छी तरह समझ आ चुका है कि जनता के बीच उनका भारी विरोध है और अगले चुनाव में उनकी जमानतें जब्त होना तय है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में सत्ता का दुरुपयोग कर पंजाब को बेरहमी से लूटा जा रहा है। दिल्ली के नेताओं की कठपुतली बनकर काम कर रही सरकार के कारण विधायकों के पास अपने क्षेत्रों में मुंह दिखाने की जगह नहीं बची है। विधायकों में यह भय भी बैठ गया है कि मौजूदा शासन में हुए भ्रष्टाचार, घोटालों और गैर-कानूनी गतिविधियों की जांच जब आने वाली अगली सरकार करेगी, तो उनकी जवाबदेही तय होगी। यही कारण है कि वे समय रहते आम आदमी पार्टी से दूरी बनाकर खुद को सुरक्षित करने की होड़ में लगे हैं।

पटियाला में हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, 9 पिस्तौल के साथ 3 आरोपी गिरफ्तार

मध्य प्रदेश से पंजाब लाए जा रहे थे अवैध हथियार, बंबीहा गैंग तक पहुंचाने की थी तैयारी; दोहरे हत्याकांड की साजिश नाकाम करने का पुलिस का दावा

डेली आवाज भारती





पटियाला। पंजाब में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पटियाला पुलिस ने एक बड़े हथियार सप्लाई नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से .32 बोर की 9 अवैध पिस्तौल, 10 जिंदा कारतूस और 16 मैगजीन बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक कार भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर हथियारों की सप्लाई के लिए किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जसविंदर सिंह उर्फ गोरा निवासी गांव कौर सिंह वाला, जिला बठिंडा, लखबीर सिंह उर्फ लड्डी निवासी गांव पूर, जिला पटियाला और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी अमीर कॉलोनी, राजपुरा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये हथियार मध्य प्रदेश से लाए गए थे। पुलिस का दावा है कि बरामद 9 पिस्तौलों में से 4 पिस्तौल बंबीहा गैंग तक पहुंचाई जानी थीं। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी से दो लोगों की हत्या की कथित साजिश को नाकाम करने का भी दावा किया है।

एसपी इन्वेस्टिगेशन राजेश छिब्बर के अनुसार सीआईए स्टाफ राजपुरा और थाना सिटी राजपुरा की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच का उद्देश्य हथियारों के सप्लायरों, खरीदारों और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करना है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और अवैध हथियारों की सप्लाई से जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

श्री चमकौर साहिब से रूपनगर तक के युवाओं ने 'युद्ध नशेआं विरुद्ध' बाइक रैली में उमड़ा जनसैलाब, पंजाब को नशा मुक्त बनाने का लिया प्रण

- 'युद्ध नशेआं विरुद्ध' पंजाब के युवाओं को खेल, हेल्दी लाइफ और नशा मुक्त भविष्य की ओर मोड़ रहा हैः दिनेश चड्ढा

पिछली सरकारों ने नशा तस्करों का साथ दिया, भगवंत मान सरकार नशों के खिलाफ बड़ी दृढ़ता से लड़ रही है जंगः दिनेश चड्ढा

डेली आवाज भारती



श्री चमकौर साहिब। भगवंत मान सरकार ने अपने खास प्रोग्राम %युद्ध नशेआं विरुद्ध% के तहत श्री चमकौर साहिब से रूपनगर तक नशा विरोधी बाइक रैली निकाली। रैली का श्री चमकौर साहिब में इलाके के विधायक डॉ. चरणजीत सिंह और इलाके के इंचार्ज जसवीर सिंह गढ़ी ने गर्मजोशी से स्वागत किया और इसका नेतृत्व किया। बड़ी संख्या में उत्साही युवाओं ने रैली में हिस्सा लिया और नशा मुक्त और हेल्दी पंजाब बनाने का अपना वादा दोहराया। इस पहल के ज़रिए, नेताओं ने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें, हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और पंजाब की तरक्की और खुशहाली में सक्रिय रूप से योगदान दें। इस मौके पर रूपनगर से आप विधायक दिनेश चड्ढा ने कहा, ÷पिछली सरकारों ने ड्रग तस्करों को संरक्षण दिया और पंजाब में ड्रग्स की बुराई को पनपने दिया। इसके उलट, भगवंत मान सरकार लगातार ड्रग्स के खिलाफ़ एक मज़बूत लड़ाई लड़ रही है, जिसके अच्छे नतीजे ज़मीनी स्तर पर दिख रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ÷भगवंत मान सरकार की लगातार कोशिशें न सिर्फ़ युवाओं को ड्रग्स से दूर रखने में मददगार साबित हो रही हैं, बल्कि उन्हें खेलों और दूसरी रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए भी प्रेरित कर रही हैं। यह अभियान पंजाब के युवाओं की एनर्जी को एक हेल्दी, ज़्यादा फायदेमंद और तरक्की वाले भविष्य की ओर ले जा रहा है। विधायक डॉ. चरणजीत सिंह और हलका इंचार्ज जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि बाइक रैली में युवाओं का जोश से भरा हिस्सा लेना दिखाता है कि नशा मुक्त पंजाब के मिशन को जनता का कितना बड़ा सपोर्ट मिल रहा है। उन्होंने दोहराया कि भगवंत मान सरकार ड्रग्स की बुराई को खत्म करने और राज्य की नई पीढ़ी के लिए एक अच्छा भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय राजनीति में सरदार पटेल की अमिट छाप

आधुनिक भारत की एकता से विकसित भारत के संकल्प तक

– प्रो. सरचंद सिंह ख्याला

आज़ादी प्राप्त करना एक बात थी, लेकिन स्वतंत्र भारत को एकजुट रखना उससे कहीं बड़ी चुनौती थी। वर्ष 1947 में अंग्रेज़ी शासन के अंत के साथ भारत के सामने 560 से अधिक रियासतों को एक राष्ट्रीय ढाँचे में शामिल करने और देश की भौगोलिक एवं राजनीतिक अखंडता बनाए रखने का कठिन कार्य खड़ा था। यदि उस समय दूरदर्शी नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और असाधारण राजनीतिक सूझबूझ का परिचय न दिया गया होता, तो आज का भारत शायद इस स्वरूप में हमारे सामने न होता। इस ऐतिहासिक कार्य के केंद्र में थे भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्होंने अपने नेतृत्व से रियासतों को एकजुट कर आधुनिक भारत की राष्ट्रीय एकता की मजबूत नींव रखी। उनकी विरासत को समर्पित एकता नगर और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी आज भी उसी राष्ट्रीय संकल्प की याद दिलाते हैं।

भारत में प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह उस महान व्यक्तित्व को याद करने का अवसर है, जिन्होंने आज़ादी के बाद देश की 560 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करने में निर्णायक भूमिका निभाई। उनकी राष्ट्रवादी सोच, निर्णय लेने की क्षमता, मजबूत प्रशासनिक दृष्टि और राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता आज भी भारतीय राजनीति और शासन व्यवस्था के लिए प्रेरणा का स्रोत है। सरदार पटेल की विरासत को विशेष महत्व देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। वर्ष 2014 से राष्ट्रीय एकता दिवस के आयोजनों को व्यापक स्वरूप देने, 'रन फॉर यूनिटी' की शुरुआत, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निर्माण और एकता नगर के विकास के माध्यम से उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अनेक अवसरों पर सरदार पटेल को आधुनिक भारत की एकता का शिल्पकार बताते हुए उनकी दूरदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति को राष्ट्र निर्माण का आदर्श माना है। यद्यपि पटेल की विरासत पूरे देश की साझा धरोहर है, लेकिन उसे जनचेतना में पुनः प्रमुख स्थान दिलाने के प्रयासों ने आज के भारत में उनकी प्रासंगिकता को और अधिक उजागर किया है। गुजरात के नडियाद में 31 अक्टूबर 1875 को जन्मे सरदार वल्लभभाई पटेल ने वकालत के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के बाद स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। महात्मा गांधी के संपर्क में आने के बाद वे सार्वजनिक जीवन और स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति समर्पित हो गए। वर्ष 1918 के खेड़ा सत्याग्रह और अहमदाबाद के मजदूर आंदोलन में उनके नेतृत्व ने उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। लेकिन वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। किसानों के अधिकारों के लिए उनके दृढ़ और सफल नेतृत्व से प्रभावित होकर लोगों ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी, जो आगे चलकर उनकी पहचान बन गई। आज़ादी के बाद देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री के रूप में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण थी। उस समय प्रत्येक रियासत के अपने शासक, हित और अलग-अलग राजनीतिक परिस्थितियाँ थीं। सरदार पटेल ने रियासत विभाग की जिम्मेदारी संभालते हुए अपने सचिव वी.पी. मेनन के साथ मिलकर इस जटिल कार्य को आगे बढ़ाया। कूटनीतिक बातचीत, समझौतों और आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णय लेने की क्षमता के बल पर उन्होंने विभिन्न रियासतों को भारतीय संघ से जोड़ा। जूनागढ़ रियासत के भारत में विलय का मामला हो या हैदराबाद के निज़ाम द्वारा भारतीय संघ में शामिल होने से इनकार, सरदार पटेल ने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखा। सितंबर 1948 में हैदराबाद में चलाए गए 'पुलिस अभियान' के माध्यम से इस रियासत का भारत में एकीकरण संभव हुआ। जूनागढ़ में भी जनमत ने भारत के साथ विलय के पक्ष में निर्णय दिया। ये घटनाएँ उनकी दृढ़ता और निर्णायक नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। उनकी दूरदर्शिता केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं थी। वे जानते थे कि एक नए स्वतंत्र देश को मजबूत प्रशासनिक ढाँचे की भी आवश्यकता है। इसी कारण उन्होंने अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत करने की वकालत की और उन्हें देश की एकता तथा प्रशासनिक स्थिरता का महत्वपूर्ण आधार माना। उनके लिए स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं, बल्कि मजबूत संप्रभुता, सक्षम प्रशासन और अखंड राष्ट्र की स्थापना था। इसी महान योगदान को समर्पित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन 31 अक्टूबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर स्थित 182 मीटर ऊँची यह प्रतिमा विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा है और आधुनिक इंजीनियरिंग की क्षमता का भी प्रमाण है। लेकिन इसका वास्तविक महत्व केवल इसकी विशालता में नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संदेश में है, जो एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए दूरदर्शिता, दृढ़ इच्छाशक्ति और साझा राष्ट्रीय हितों के प्रति समर्पण की आवश्यकता को उजागर करता है। गुजरात के केवड़िया क्षेत्र का एकता नगर के रूप में विकास इसी राष्ट्रीय चेतना और बदलते विकास मॉडल का उदाहरण है।



page 5_Layout 1 01-11-2026 19:39 Page 1

लुधियाना में भूतपूर्व सैनिकों की मेगा रैली, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को मिलीं कल्याणकारी सुविधाएं

- ढोलेवाल मिलिट्री कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य जांच, रोजगार और पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए लगाए गए विशेष शिविर



डेली आवाज भारती

लुधियाना। भारतीय सेना की वज्र कोर की ओर से पश्चिमी कमान के तत्वावधान में 1 नवंबर को लुधियाना के ढोलेवाल मिलिट्री कॉम्प्लेक्स में पंजाब राज्य भूतपूर्व सैनिक रैली-2026 का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों को सम्मान देने के साथ-साथ उन्हें विभिन्न कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध करवाना रहा।

रैली के दौरान पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों की सहायता के लिए चार विशेष शिविर लगाए गए। इनमें संपर्क शिविर, संजीवनी शिविर, रोजगार शिविर और सुविधा शिविर शामिल रहे।

संपर्क शिविर में सेना के रिकॉर्ड कार्यालयों, जिला सैनिक बोर्ड और आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधियों ने पूर्व सैनिकों को सेवा रिकॉर्ड और अन्य प्रशासनिक मामलों में सहायता प्रदान की। संजीवनी शिविर के माध्यम से स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श और पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (श्वष्टास) से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई। वहीं रोजगार शिविर में सेवानिवृत्त सैनिकों को दोबारा रोजगार प्राप्त करने और दूसरी पारी शुरू करने के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।

इसके अलावा सुविधा शिविर में जिला प्रशासन, पुलिस, बैंकिंग संस्थानों और आधार सेवाओं से जुड़े प्रतिनिधियों ने दस्तावेजों तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं के समाधान में सहयोग दिया। इस आयोजन में सेना, सरकारी विभागों और नागरिक प्रशासन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रैली के दौरान पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के योगदान को सम्मानित करने के साथ उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी ध्यान दिया गया।

पंजाब को दोबारा काले दौर की ओर धकेलने की इजाजत नहीं दी जा सकती, राज्य में कानून-व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित की जाए: विजय इंदर सिंगला

पुलिस के कामकाज में राजनीतिक दखलअंदाजी, विज्ञापनों पर खर्च और जनता से किए वादे पूरे न करने को लेकर सिंगला ने उठाए सवाल

- 4 नवंबर को गांव फग्गूवाला, संगरूर में इंसाफ रैली को संबोधित करेंगे राहुल गांधी

डेली आवाज भारती





संगरूर, हरपाल सिंह घाबदां : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कांग्रेस चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति (श्वस्ष्ट) के चेयरमैन विजय इंदर सिंगला ने आम आदमी पार्टी की सरकार से राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को तुरंत सुधारने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब को दोबारा काले दौर की ओर धकेलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। पंजाब के लोगों को डर और असुरक्षा के माहौल से मुक्त होकर जीने का अधिकार है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिंगला ने राज्य में हो रही हत्याओं, नशे के कारण जा रही जानों और नशा तस्करी के खिलाफ आवाज उठाने वालों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। गुलजार सिंह और नशे के खिलाफ सक्रिय कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा के मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि अगर नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले ही सुरक्षित नहीं हैं, तो सरकार हमारे बच्चों के भविष्य और आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा कैसे करेगी? सिंगला ने कहा कि पंजाब पुलिस के पास अपराध और आपराधिक तत्वों से निपटने की पूरी क्षमता है। आतंकवाद के कठिन दौर पर काबू पाने में पंजाब पुलिस की भूमिका इसका उदाहरण है। लेकिन किसी भी पुलिस व्यवस्था की सफलता के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और निष्पक्षता से काम करने की आजादी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि पुलिस नशा तस्करों और अपराधियों के खिलाफ बिना किसी राजनीतिक दबाव या हस्तक्षेप के कार्रवाई करे। राज्य की सुरक्षा को पंजाब की आर्थिक तरक्की से जोड़ते हुए सिंगला ने कहा कि डर और असुरक्षा का माहौल व्यापारियों और उद्योगपतियों को पंजाब में निवेश करने या अपने कारोबार का विस्तार करने से पीछे हटने के लिए मजबूर करता है। जब कारोबारियों को अपने व्यापार, पूंजी और कर्मचारियों की सुरक्षा का भरोसा ही नहीं होगा, तो रोजगार के नए अवसर कैसे पैदा होंगे? उन्होंने कहा कि पंजाब की तरक्की के लिए सुरक्षित माहौल और भरोसेमंद प्रशासन बुनियादी शर्तें हैं। सरकार की विज्ञापन नीति पर सवाल उठाते हुए सिंगला ने कहा कि पंजाब के लोगों की मेहनत की कमाई का पैसा राज्य से बाहर विज्ञापनों पर खर्च करने के बजाय पंजाब के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल किया कि दिल्ली के %आप% नेताओं द्वारा चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवासों से पंजाब का प्रशासन चलाने की नौबत क्यों आ रही है और क्या पंजाब के अपने नेतृत्व को स्वतंत्र रूप से फैसले लेने की आजादी है? सिंगला ने महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता, पेंशन में बढ़ोतरी, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और रोजगार के वादों को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

पंजाबियों ने हरा पेन तो भगवंत मान को दे दिया, लेकिन वह पंजाबियों के हक में अपनी स्याही का इस्तेमाल नहीं कर सके : अरविंद खन्ना

डेली आवाज भारती



संगरूर, हरपाल सिंह घाबदां : बत्तियां वाले चौक संगरूर में ग्रीन पेन प्रोटेस्ट के तहत सरकार की झूठी गारंटियों का पुलिंदा जलाया गया। संगरूर-पंजाबियों ने हरा पेन तो भगवंत मान को दे दिया, लेकिन वह पंजाबियों के हक में अपनी स्याही का इस्तेमाल नहीं कर सके। इन विचारों का प्रकटावा श्री अरविंद खन्ना, हलका इंचार्ज संगरूर ने आज संगरूर के बत्तियां वाले चौक में ग्रीन पेन प्रोटेस्ट के तहत पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए किया। उन्होंने कहा कि भगवंत मान पंजाब के लोगों को झूठी गारंटियां और वादे करके सत्ता में तो आ गए, लेकिन पंजाबियों से किए वादे भूल गए। श्री अरविंद खन्ना ने कहा कि भगवंत मान सत्ता हासिल करने से पहले वादा करते थे कि वह पंजाबियों के बिजली बिल माफ कर देंगे। क्या पंजाबियों के बिजली बिल माफ हुए? उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर केवल रंग-रोगन किए हुए अस्पताल मिले और शिक्षा की गारंटी के नाम पर भी रंगे हुए स्कूल और बैग आदि ही मिले। उन्होंने कहा कि रोजगार की गारंटी के वादे केवल कागजों और होर्डिंग्स तक ही सीमित रह गए और रोजगार के नाम पर बेरोजगारों को सिर्फ लाठियां ही नसीब हुईं। श्री अरविंद खन्ना ने कहा कि भगवंत मान और उनके आका अरविंद केजरीवाल तीन महीने में नशा खत्म करने की बात करते थे, लेकिन वे आज तक नशा खत्म नहीं कर सके। इसके उलट नशा तस्करों का विरोध करने वाले समाजसेवी परविंदर सिंह झोटा, गुलजार सिंह आदि को अपनी जान गंवानी पड़ी। श्री अरविंद खन्ना ने कहा कि किसानों को फसलों पर स्वक्क देने की गारंटी भी लगभग फेल रही और व्यापारी वर्ग अफसरशाही से परेशान होकर खुलकर अपना कारोबार भी नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवंत मान जो इंसाफ और कानून-व्यवस्था की बड़ी-बड़ी बातें करते थे, आज उनकी सरकार में कानून नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। हर रोज लूटपाट, हत्याएं और लड़ाई-झगड़े हो रहे हैं और मान सरकार केवल होर्डिंग लगाने को ही पंजाब की तरक्की दिखा रही है। इस मौके पर तेजिंदर सिंह संघेरेड़ी जिला प्रधान शिरोमणि अकाली दल, इकबाल सिंह पूनिया, धर्मिंदर सिंह दुल्लट सदस्य पीएसी, लाल सिंह भरो, जोगी राम, रफी कुमार, विशाल मट्टू, दविंदर हैप्पी, सुखविंदर कौर और नरेंद्र शेली समेत बड़ी संख्या में अकाली नेता मौजूद थे।

पंजाब में अगले तीन दिन मौसम रहेगा शुष्क, बारिश की संभावना नहीं

- मौसम विभाग के अनुसार तापमान में उतार-चढ़ाव जारी, सुबह और रात के समय बढ़ सकती है ठंड

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। पंजाब में नवंबर की शुरुआत के साथ ही मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में अगले तीन दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। फिलहाल बारिश को लेकर कोई बड़ा अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

सुबह और रात के समय तापमान में गिरावट के कारण ठंड का एहसास बढ़ सकता है, जबकि दिन के समय मौसम अपेक्षाकृत सामान्य रहने की संभावना है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह के समय हल्की धुंध भी देखने को मिल सकती है। किसानों और आम लोगों को मौसम के बदलाव को देखते हुए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के आगामी अपडेट के अनुसार तापमान और धुंध की स्थिति में बदलाव हो सकता है। पंजाब में 5 नवंबर तक बारिश के आसार नहीं, मौसम रहेगा शुष्क दिन में खिली रहेगी धूप, सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट; मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान चंडीगढ़। पंजाब में नवंबर महीने की शुरुआत के साथ मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 5 नवंबर तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान बारिश के कोई खास आसार नहीं हैं। मौसम विभाग के मुताबिक 1 नवंबर को पंजाब में न्यूनतम तापमान में 0.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, हालांकि यह सामान्य से करीब 3 डिग्री अधिक रहा। फरीदकोट में सबसे कम 14.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं बरनाला में न्यूनतम तापमान 18.1 डिग्री और लुधियाना में 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान करीब 31 से 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिन में धुंधली धूप और रात के समय मौसम अपेक्षाकृत ठंडा रह सकता है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान को देखते हुए फिलहाल किसानों और आम लोगों को बारिश की चिंता करने की जरूरत नहीं है। हालांकि मौसम में बदलाव को लेकर विभाग की आगामी अपडेट पर नजर रखना जरूरी है।

जालंधर में दर्दनाक सड़क हादसा: बर्थडे पार्टी से लौट रहे दो दोस्तों की मौत

- पुलिस लाइन के पास फ्लाईओवर पर नगर निगम की खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार; गायक यो यो हनी सिंह के भांजे की भी गई जान

डेली आवाज भारती



जालंधर। पंजाब के जालंधर में रविवार, 1 नवंबर की तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों दोस्त एक जन्मदिन की पार्टी से घर लौट रहे थे। उनकी फॉक्सवैगन कार पुलिस लाइन के पास स्थित फ्लाईओवर पर नगर निगम की खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान विदित ओलक और आरव तलवाड़ के रूप में हुई है। विदित ओलक पंजाबी गायक यो यो हनी सिंह के भांजे और म्यूजिक कंपनी स्पीड रिकॉर्ड्स के मालिक दिनेश ओलक के बेटे थे। वहीं, आरव तलवाड़ पप्पी स्वीट्स के मालिक के बेटे थे। थाना बारादरी के एसएचओ साहिल चौधरी के अनुसार पुलिस को हादसे की सूचना रविवार तड़के करीब 3 बजे मिली। उस समय नगर निगम के सफाई कर्मचारी फ्लाईओवर पर सफाई कर रहे थे और कूड़ा इकट्ठा करने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली वहां खड़ी की गई थी। कार बीएमसी चौक से बीएसएफ चौक की ओर जा रही थी, तभी यह हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक कार में कुल पांच युवक सवार थे। हादसे में दो युवकों की मौत हुई, जबकि अन्य तीन सुरक्षित बच गए। पुलिस ने कार्रवाई के बाद दोनों शव परिवारों को सौंप दिए। हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई।

पंजाब के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी का बड़ा अवसर, BBMB के 2,452 पदों पर सीधी भर्ती का रास्ता साफ

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। पंजाब के युवाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने का एक बड़ा अवसर खुलने जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई पंजाब मंत्रिमंडल की बैठक में भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (BBMB) के लिए बनाए गए 2,452 पदों वाले अलग कर्मचारी कैडर के विभागीय सेवा नियमों को मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले के बाद इन पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। पंजाब सरकार के अनुसार, BBMB में अलग-अलग पदों के लिए राज्यों का निश्चित कोटा निर्धारित है, लेकिन पंजाब के हिस्से के कई पद लंबे समय से खाली रह जाते थे। इन रिक्त पदों पर दूसरे राज्यों के कर्मचारियों की तैनाती हो जाती थी। इससे बोर्ड में पंजाब के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा था। सरकार का कहना है कि BBMB के कुल वित्तीय खर्च में पंजाब की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत है। ऐसे में राज्य के वित्तीय योगदान के अनुरूप कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना जरूरी है। गौरतलब है कि 15 नवंबर 2025 को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में BBMB के लिए 2,452 पदों वाला विशेष कैडर बनाने को मंजूरी दी गई थी। इन पदों पर नियुक्तियों के लिए भर्ती नियम और सेवा की अन्य शर्तें भी तैयार की जा चुकी हैं। अब विभागीय सेवा नियमों को मंजूरी मिलने से सीधी भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। सरकार के इस फैसले से जहां पंजाब के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलने की उम्मीद है, वहीं भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में पंजाब की हिस्सेदारी और प्रतिनिधित्व को भी मजबूती मिलेगी।

स्वर्गीय राम सिंह और स्वर्गीय हरदित्त पुरी बॉक्सरों की याद में करवाए गए बॉक्सिंग मुकाबले

- संगरूर बॉक्सिंग खेल का हब रहा है: अरविंद खन्ना

डेली आवाज भारती



संगरूर, (हरपाल सिंह घाबदां) : स्वर्गीय राम सिंह बॉक्सर और स्वर्गीय हरदित्त पुरी बॉक्सर की याद को समर्पित हरदित्त पुरी प्रो बॉक्सिंग क्लब रजि. संगरूर और संगरूर बॉक्सिंग एसोसिएशन की ओर से दूसरा प्रोफेशनल बॉक्सिंग इवेंट वार हीरोज स्टेडियम के बॉक्सिंग रिंग में आयोजित किया गया। इन बॉक्सिंग मुकाबलों में संगरूर के पूर्व विधायक अरविंद खन्ना, एडवोकेट हरकेवल सिंह संजूमा और समाज सेविका प्रीति महंत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए श्री अरविंद खन्ना ने कहा कि संगरूर जिला बॉक्सिंग का हब रहा है। ऐसे टूर्नामेंट इस खेल को और निखारने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि खेल जहां युवाओं के लिए नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं, वहीं शारीरिक रूप से स्वस्थ भी रखते हैं। इन मुकाबलों में जीतने वाले खिलाड़ियों को सोने और चांदी के पदक देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर रविचरण सिंह दियोल जनरल सेक्रेटरी जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन संगरूर, रविंदर सिंह रामा चेयरमैन, अतर बॉक्सर, बुलट बॉक्सर, गोगा बॉक्सर, मनी, समाजसेवी पिंटा मेहरा, संदीप बॉक्सर, दपिंदर टिवाणा, कोच पारस बत्रा, डीएसओ नवदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

भवानीगढ़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक, 4 नवंबर की इंसाफ रैली की तैयारियों का लिया जायजा: विजय इंदर सिंगला

डेली आवाज भारती



भवानीगढ़। आज भवानीगढ़ में पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री विजय इंदर सिंगला की ओर से सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ एक अहम बैठक की गई। इस दौरान 4 नवंबर को श्री राहुल गांधी की पंजाब में होने जा रही पहली इंसाफ रैली को सफल बनाने के लिए तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। सभी कार्यकर्ताओं ने पूरे जोश के साथ रैली को सफल बनाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि वे अपने-अपने गांवों और शहरों से अधिक से अधिक लोगों को रैली में शामिल करने का प्रयास करेंगे, ताकि लोग श्री राहुल गांधी के विचार सुन सकें। इस मौके पर श्री विजय इंदर सिंगला ने बताया कि यह इंसाफ रैली 4 नवंबर, बुधवार को संगरूर-पटियाला नेशनल हाईवे पर गांव फग्गूवाला (भवानीगढ़), जिला संगरूर में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस रैली को सफल बनाने के लिए सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की एकजुटता और मेहनत बेहद महत्वपूर्ण है। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पी.ए.यू.-कृषि विज्ञान केंद्र, संगरूर में पीएम-किसान की 24वीं किस्त जारी करने संबंधी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया

डेली आवाज भारती



संगरूर। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के निदेशालय विस्तार शिक्षा और आई.सी.ए.आर.-अटारी, जोन-1, लुधियाना के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र, संगरूर की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 24वीं किस्त जारी करने संबंधी कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर जिले के विभिन्न गांवों से 130 किसानों और महिला किसानों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना और कृषि से जुड़ी सरकारी पहलों की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र, संगरूर के प्रभारी डॉ. मनदीप सिंह ने बताया कि पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को सीधे आर्थिक सहायता दी जाती है, जिससे उन्हें कृषि और घरेलू जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है। उन्होंने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी हासिल करने और पात्रता के अनुसार उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मनदीप सिंह ने कहा कि खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ खेती की लागत कम करना और उपलब्ध संसाधनों का उचित इस्तेमाल करना भी जरूरी है। उन्होंने किसानों से पंजाब कृषि विश्वविद्यालय की सिफारिशों के अनुसार आधुनिक और टिकाऊ कृषि तकनीकें अपनाने तथा तकनीकी मार्गदर्शन के लिए कृषि विशेषज्ञों के संपर्क में रहने की अपील की। लाइव प्रसारण के दौरान पीएम-किसान योजना की 24वीं किस्त के तहत देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने फसल कटाई के बाद प्रबंधन, भंडारण और प्रसंस्करण सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कृषि बुनियादी ढांचा फंड (एआईएफ) के तहत 521 परियोजनाओं और उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए 12 बागवानी क्लस्टरों का भी उद्घाटन किया। इसके बाद आयोजित तकनीकी सत्र में डॉ. मनदीप सिंह ने किसानों को 'खेत बचाओ अभियान' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रासायनिक खादों और कीटनाशकों का इस्तेमाल जरूरत के अनुसार तथा निर्धारित मात्रा में करने के लिए प्रेरित किया।

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक - रीतू रानी। संस्थापक (फाउंडर) एवं स्थानीय संपादक (पंजाब) - हेमन्त मित्तल। चेयरमैन- श्रवण कुमार खरींटा । मैनेजिंग डायरेक्टर - धीरज महाजन , क्राइम आवाज इंडिया के लिए उन्हीं के द्वारा डेली आवाज भारती, बी-4/935, बैक साइड शिव मठ, राधा स्वामी स्ट्रीट बरनाला से प्रकाशित। सेनरा प्रिंटिंग प्रेस, भुटाना मोर, नजदीक ओल्ड पुलिस चौंकी, जी. टी रोड, नीलोखेरी, करनाल, हरियाणा - 132117 से मुद्रित। दूरभाष- प्रेस कार्यालय - 01762-505507 E-mail: dailyawazbharti@gmail.com, रजि. नं पीबीएचआईएन/26/ए2687 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा उनसे उत्पन्न समस्त विवाद बरनाला न्यायालय के अधीन होंगे।

CMYK

page 6_Layout 1 01-11-2026 19:13 Page 1

फिल्मी दुनिया | दो साल बाद

भूल भुलैया 3 के दो साल: कार्तिक आर्यन की दिवाली ब्लॉकबस्टर



मुंबई। दिवाली के मौके पर रिलीज हुई कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया 3' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन किया था।

1 नवंबर 2024 को रिलीज हुई इस फिल्म का निंदेंशन अनीस बज्मी ने किया था, जबकि इसे टी-सीरीज ने प्रोडयूस किया था। फिल्म का सिंगम अगेन से क्लैश हुआ था, लेकिन दर्शकों ने कार्तिक आर्यन की इस हॉरर-कॉमेडी को खूब प्यार दिया।

दुनियाभर में ₹423.85 करोड़

पहले दिन ₹36.60 करोड़ नेट

पहले वीकेंड ₹110.20 करोड़

फिल्म ने पहले हफ्ते में ₹168.86 करोंड़ की कमाई की थी, जो अपने समय की सबसे बड़ी ओननिंग में से एक मानी गई। ट्रेड एनालिस्ट जोगिंदर तूतेजा ने कहा कि 'भूल भुलैया 3'

कार्तिक आर्यन की पहली फिल्म बन गई, जिसने ₹400 करोंड़ के क्लब में जगह बनाई। यह उपलब्धि उनके करियर के लिए एक बड़ी सफलता साबित हुई।

फिल्म में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी, राजपाल यादय, संजय मिश्र और विजय राज जैसे दमदार कलाकारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं।

दिवाली पर मिली थी बड़ी सफलता

आशा भोसले की सिफारिश से मिली थी पहली फिल्म

कभी कोरस में गाने वाली पद्मिनी कोल्हापुरे ने ऐसे बनाई पहचान





मुंबई। **हिंदी** सिनेमा में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने बचपन से ही फिल्मों की दुनिया में कदम रख दिया था और बड़े होते-होते अपनी अलग पहचान बना ली। पद्मिनी कोल्हापुरे भी उन्हीं अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू किया और धीरे-धीरे एक बाल कलाकार से हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री बन गई। 'सत्यम शिवम सुंदरम' 'इंसाफ का तराजू' और 'प्रेम रोग' जैसी फिल्मों में उनके काम को आज भी याद किया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्मों में आने से पहले वह अपनी बहन के साथ कोरस गाया करती थीं। उनकी पहली फिल्म मिलने के पीछे भी एक खास किस्सा है, जिसमें दिग्गज गायिका आशा भोसले की अहम भूमिका रही। पद्मिनी कोल्हापुरे का जन्म 1 नवंबर 1965 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता पंडित पंढरीनाथ कोल्हापुरे शास्त्रीय संगीत से जुड़े थे, जबकि उनकी मां अनुपमा एयरलाइन में काम करती थीं। पद्मिनी का परिवार संगीत और कला से जुड़ा रहा है। उनकी बहन शिवांगी कोल्हापुरे भी संगीत और फिल्मों से जुड़ी हैं। शिवांगी की शादी अभिनेता शक्ति कपूर से हुई और उनकी बेटी श्रद्धा कपूर आज बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। इस तरह पद्मिनी का रिश्ता कपूर परिवार से भी जुड़ता है। पद्मिनी को बचपन से ही गाने और डांस करने का शौक था। उन्होंने महज सात साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। शुरुआत में वह अपनी बहन शिवांगी के साथ फिल्मों के गानों में कोरस गाती थीं। 'यादों की बारात', 'किताब' और 'दुश्मन दोस्त' जैसी फिल्मों के गानों में उनकी आवाज शामिल रही। इसी दौरान उनकी मुलाकात दिग्गज गायिका आशा भोसले से हुई, जो रिश्ते में उनकी बुआ लगती थीं। पद्मिनी के पिता पंढरीनाथ, आशा भोसले और लता मंगेशकर के फर्स्ट कजिन थे। पद्मिनी उन्हें प्यार से 'आशा आत्या' कहती थीं। पद्मिनी ने एक इंटरव्यू में बताया था कि आशा भोसले ने ही उन्हें अभिनेता देव आनंद से मिलवाया था। आशा भोसले ने देव आनंद से कहा था कि अगर उनके पास पद्मिनी के लिए कोई काम हो तो उन्हें मौका दें। इस मुलाकात के बाद देव आनंद ने उन्हें अपनी फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में काम दिया। इस तरह पद्मिनी को उनकी पहली फिल्म मिली। उस समय वह काफी छोटी थीं और उन्हें इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि आगे चलकर वह हिंदी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री बनेंगी। इसके बाद पद्मिनी ने जिंदगी, ड्रीम गर्ल और सत्यम शिवम सुंदरम जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम किया। राज कपूर की फिल्म सत्यम शिवम सुंदरम में उन्होंने छोटी रूपा का किरदार निभाया था। इस फिल्म से उन्हें काफी पहचान मिली। राज कपूर ने बाद में उन्हें फिल्म प्रेम रोग में मुख्य भूमिका भी दी। इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर नजर आए थे। फिल्म में पद्मिनी ने मनोरमा नाम की एक विधवा महिला का किरदार निभाया था, जिसे समाज के भेदभाव और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। साल 1980 में आई फिल्म इंसाफ का तराजू में उनके काम की काफी तारीफ हुई। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। उस समय उनकी उम्र महज 15 साल थी। इसके बाद 1982 में प्रेम रोग के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। इतनी कम उम्र में लगातार दो बड़े सम्मान हासिल करना उनके करियर की बड़ी उपलब्धि रही। पद्मिनी ने इसके बाद आहिस्ता आहिस्ता, विधाता, वो सात दिन, प्यार झुकता नहीं, सौतन, स्वर्ग से सुंदर और प्यार के काबिल जैसी फिल्मों में काम किया। उन्होंने हिंदी फिल्मों के साथ मराठी सिनेमा में भी अपनी पहचान बनाई। कुछ समय तक फिल्मों से दूरी बनाने के बाद उन्होंने दोबारा एक्टिंग शुरू की। चिमनी पाखर, फटा पोस्टर निकला हीरो, पानीपत और प्रवास जैसी फिल्मों में भी वह नजर आई। निजी जिंदगी की बात करें तो पद्मिनी ने 1986 में फिल्म निर्माता प्रदीप शर्मा से शादी की थी। दोनों का एक बेटा प्रियंक शर्मा है, जो अभिनय और फिल्म निर्माण से जुड़ा है।

जब एक रोल के लिए शाहरुख खान को कटवाने पड़े थे लंबे बाल

दुखी मन से मानी थी शर्त



मुंबई। सिनेमा के इतिहास में कुछ ही ऐसे चेहरे होते हैं, जो पर्दे पर आते ही समय की धारा को मोड़ देते हैं। आज जिसे पूरी दुनिया 'किंग खान' बुलाती है और उनकी हेयरस्टाइल के लाखों दीवाने रहते हैं लेकिन उनके करियर की शुरुआत में एक ऐसा वक्त भी आया था, जब अभिनेता को अपने बालों को कटाना पड़ा था। यह दौर तब का है जब शाहरुख अभिनय की दुनिया में अपनी जगह बनाने की जद्दोजहद कर रहे थे। आज भले ही लंबे बाल और उनका सिग्नेचर हेयरस्टाइल उनकी पहचान बन चुका हो लेकिन संघर्ष के शुरुआती दिनों में निर्माताओं और निर्देशकों की शर्तों के आगे उन्हें अपनी पसंद से समझौता करना पड़ा था। आखिर क्या थी वो मजबूरी और किस फिल्म या प्रोजेक्ट के दौरान शाहरुख को यह कड़ा फैसला लेना पड़ा था? आइए जानते हैं इस दिलचस्प किस्से के बारे में... 2 नवंबर 1965 को नई दिल्ली में एक मुस्लिम परिवार में जन्मे अभिनेता शाहरुख खान को रोमांस का किंग कहा जाता है लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि 90 के दशक में जब उन्होंने फिल्मों में कदम रखा था, तो किसी भी बड़े हीरो ने विलेन का रोल करने से परहेज किया था। उस दौर में शाहरुख ने बाजीगर, डर और अंजाम जैसी फिल्मों में निगेटिव रोल से दर्शकों के मन में खौफ पैदा किया और फिर हीरो बनकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

शाहरुख खान ने हंसराज कॉलेज से बीए इकोनॉमिक्स किया था। इस दौरान वे दिल्ली के %थिएटर एक्शन ग्रुप% से जुड़े और प्रसिद्ध थिएटर निर्देशक बैरी जॉन के मार्गदर्शन में अभिनय सीखा। इसके बाद उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया से मास कम्युनिकेशन में पीजी में दाखिला लिया था लेकिन अभिनय करने के जुनून के चलते अभिनेता ने अपना पीजी बीच में छोड़ दिया था।

बताया जाता है कि माता-पिता के देहांत के बाद बड़ा मुकाम हासिल करने की इच्छा लेकर शाहरुख साल 1991 में दिल्ली छो कर मुंबई आ गए थे। अभिनेता रंगमंच में सक्रिय थे, जहां पर उनके स्वाभाविक अभिनय और जबरदस्त ऊर्जा ने कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया। शाहरुख खान को कैमरे के सामने अभिनय करने का सबसे पहला ब्रेक जाने-माने निर्देशक लेख टंडन ने अपने धारावाहिक %दिल दरिया% में दिया था। हालांकि, इस शो में काम करने के लिए निर्देशक ने अभिनेता के सामने एक अजीब-सी शर्त रख दी थी।

उन्होंने शाहरुख से अपने लंबे और बिखरे बाल कटवाने के लिए कहा था। शाहरुख को अपने बालों से बहुत प्यार था लेकिन अभिनय के जुनून के कारण उन्होंने दुखी मन से इस शर्त को स्वीकार कर लिया और अपने बाल कटवा लिए। इस शो में अभिनेता को %नंदू% का छोटा सा रोल मिला था। प्रोडक्शन और शूटिंग में देरी के कारण %दिल दरिया% का प्रसारण समय पर नहीं हो पाया। शाहरुख खान को कर्नल राज कपूर का सीरियल फौजी मिल गया, जो पहले ऑन-एयर हो गया। इसी वजह से इसे आधिकारिक तौर पर शाहरुख खान का पहला ऑन-स्क्रीन डेब्यू माना जाता है।

धारावाहिक %फौजी% के लिए अभिनेता जब कर्नल राज कपूर के ऑफिस ऑडिशन देने के लिए पहुंचे थे, तो निर्देशक को शाहरुख खान की काबिलियत पर भरोसा नहीं था। हालांकि, ऑडिशन की दिलचस्प बात यह है कि कर्नल कपूर को लगा था कि शाहरुख के गालों के डिंपल असली नहीं हैं बल्कि उन्होंने उसे छूकर देखा था।

शाहरुख खान को शुरुआत में इस शो में सेकेंड लीड या एक छोटे से साइड रोल (अभिमन्यु राय) के लिए चुना गया था लेकिन जब कैमरा चालू हुआ, तो कर्नल कपूर और कैमरामैन ने नोटिस किया कि अभिनेता की गजब की स्क्रीन प्रेजेंस और चुलबुले अंदाज को दर्शकों की तरफ से प्यार मिलने लगा जिस वजह से उनका रोल बढ़ा दिया गया और वह शो के मुख्य स्टार बनकर उभरे।

फौजी के सुपरहिट होने के बाद शाहरुख रातोंरात भारत के हर घर में मशहूर हो गए। इसके बाद उन्हें अजीज मिर्जा के लोकप्रिय शो %सर्कस% (1989) में काम मिला। टेलीविजन पर उनकी इसी सफलता को देखकर हेमा मालिनी ने उन्हें पहचाना और अपनी फिल्म %दिल आशना है% के लिए बतौर लीड हीरो साइन कर लिया जिसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

हालांकि, शुरुआती दौर में उन्होंने लीक से हटकर %बाजीगर%, %डर% और %अंजान% जैसी फिल्मों में खलनायक की भूमिकाएं निभाई और खूब वाहवाही बटोरी। %बाजीगर% के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। 1995 में आई %दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे% ने भारतीय सिनेमा का इतिहास बदल दिया और उन्हें रोमांटिक हीरो के रूप में अमर कर दिया।

CMYK

page 7_Layout 1 01-11-2026 19:16 Page 1

गृह मंत्री अमित शाह का राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला, 1984 के सिख विरोधी दंगों की दिलाई याद

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति के कारण हजारों सिखों की निर्मम हत्या हुई थी और आज राहुल गांधी उसी तारीख को दिल्ली में बड़ी रैली आयोजित कर दंगा पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़क रहे हैं। चंडीगढ़ में तिरंगा पार्क में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 1 नवंबर 1984 को कांग्रेस पार्टी की ओर से भड़काए गए दंगों के दौरान दिल्ली में हजारों सिखों की बेरहमी से हत्या की गई थी। हजारों लोगों को जिंदा जला दिया गया। अनेक सिखों को अपने घर छोड़कर भागना पड़ा। कई बच्चे अनाथ हो गए, महिलाओं ने अपने पति खो दिए और हजारों परिवारों के घर तबाह हो गए। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि उनका वह बयान आज भी याद है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। शाह ने कहा कि हजारों सिखों के नरसंहार को इस तरह बयान करने का साहस केवल कांग्रेस के नेता ही कर सकते थे। गृह मंत्री ने कहा कि



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद दंगों से जुड़े मामलों को दोबारा खोला गया। पीड़ितों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं को जेल के पीछे पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ने राजनीतिक पार्टी की ओर से इस तरह प्रायोजित दंगे पहले कभी नहीं देखे थे। गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी की दिल्ली में आयोजित रैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा था कि राहुल गांधी उस समय छोटे थे और शायद उन्होंने इतिहास नहीं पढ़ा होगा, इसलिए उन्हें 1984 के दंगों की तारीखों की जानकारी नहीं होगी। शाह ने कहा कि भाजपा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कांग्रेस से अपील की थी कि 1, 2 और 3 नवंबर को रैली आयोजित न की जाए, क्योंकि ये वही तारीखें हैं जब सिख विरोधी दंगे हुए थे। इससे सिख समुदाय के लोगों, माताओं, बहनों और बच्चों की भावनाएं आहत होंगी। इसके बावजूद कांग्रेस ने रैली आयोजित करने का फैसला नहीं बदला। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेश से निर्देश मिलने के बाद उसी दिन रैली आयोजित करने का फैसला किया गया, जिस दिन हजारों सिखों को जिंदा जलाया गया था। शाह ने कहा कि गुरुओं की इस धरती से वह कांग्रेस की इस कोशिश की कड़ी निंदा करते हैं। भारत और पंजाब इस घटना को कभी नहीं भूल सकते। गृह मंत्री ने दिल्ली में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली को लेकर व्यापारियों की परेशानी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के व्यापारियों ने कांग्रेस से रैली की तारीख बदलने की अपील की थी। व्यापारियों का कहना था कि दिवाली के दौरान साल में कुछ ही दिन ऐसे होते हैं, जब उनका कारोबार सबसे अच्छा चलता है। उन्होंने कहा कि व्यापारी मिठाइयों, पटाखों और बच्चों के नए कपड़ों का स्टॉक तैयार करते हैं। यदि यह सामान नहीं बिकता है तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

पिछला सप्ताह कैसा रहा? भारत की कूटनीति में द्विपक्षीय रिश्तों से लेकर वैश्विक मंचों तक हलचल

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। अक्टूबर का आखिरी सप्ताह भारत की विदेश नीति के लिहाज से काफी व्यस्त, सफल और महत्वपूर्ण रहा। 25 से 31 अक्टूबर के बीच भारत ने यूरोप, पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। इस दौरान कई उच्चस्तरीय यात्राएं, द्विपक्षीय वार्ताएं और बहुपक्षीय बैठकें हुईं। सप्ताह की खास बात यह रही कि भारत ने एक तरफ यूरोपीय देशों के साथ व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाया, तो दूसरी तरफ अमेरिका और कनाडा के साथ संबंधों में निरंतर संवाद बनाए रखे। सप्ताह के आखिरी दो दिनों में अटलांटा में हुई जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक ने इन कूटनीतिक प्रयासों को एक व्यापक वैश्विक संदर्भ दिया। 30 और 31 अक्टूबर को अमेरिका के अटलांटा में आयोजित जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण बहुपक्षीय आयोजन रही। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक संघर्षों, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दे उठाए। जयशंकर ने स्पष्ट संदेश दिया कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का समाधान सैन्य कार्रवाई से नहीं, बल्कि कूटनीति के जरिए तलाशा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्धों का असर केवल संघर्षरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खाद्य, ऊर्जा और आपूर्ति शृंखलाओं के माध्यम से पूरी दुनिया, खासकर ग्लोबल साउथ, प्रभावित होता है। इस दौरान जयशंकर ने क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी हिस्सा लिया। अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक समन्वय पर चर्चा हुई। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसके जरिए प्रस्तावित क्वाड नेताओं के अगले शिखर सम्मेलन की पृष्ठभूमि तैयार करने का अवसर मिला। अटलांटा पहुंचने से पहले जयशंकर की कूटनीतिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भारत के प्रमुख साझेदारों के साथ संपर्क बनाए रखना रहा। 30 अक्टूबर को उन्होंने यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास से मुलाकात की। बातचीत में यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ मुलाकात में दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा की गई।

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और अनीता आनंद के साथ भी बातचीत की। इसमें ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार साझेदारी (एसीआईटीआई) पर विशेष ध्यान रहा। इसके अलावा अर्जेंटीना, ब्राजील, मैक्सिको और जर्मनी के विदेश मंत्रियों के साथ भी उनकी मुलाकातें हुईं। अर्जेंटीना के साथ व्यापार, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा और परमाणु सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जबकि मैक्सिको के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर जोर रहा।

भावी ग्राम पंचायत में चुनावी विवाद के बाद मतदान स्थगित, नए आदेश का इंतजार

जोधपुर। बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र की भावी ग्राम पंचायत में फर्जी मतदान को लेकर हुए विवाद के बाद निर्वाचन विभाग ने बड़ा निर्णय लिया है। मतदान के दौरान कथित गड़बड़ी और उसके बाद हुए हंगामे को देखते हुए सोमवार को प्रस्तावित चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं। निर्वाचन विभाग ने पुलिस और प्रशासन से मिली रिपोर्ट के साथ ही क्षेत्र के मौजूदा हालात का आकलन करने के बाद यह फैसला लिया। भावी ग्राम पंचायत में मतदान के दौरान गड़बड़ी के आरोपों को लेकर विवाद बढ़ गया था। इसके बाद क्षेत्र में तनाव और हंगामे की स्थिति बन गई थी।



नए आदेश का इंतजार

घटनाक्रम के बाद चुनावी प्रक्रिया फिलहाल रोक दी गई है। अब निर्वाचन विभाग की ओर से आगे की प्रक्रिया और मतदान की नई तारीख को लेकर जारी होने वाले आदेश का इंतजार है।

'भाजपा ने जबरदस्ती बंद करवाईं कनॉट प्लेस की दुकानें', राहुल गांधी का आरोप

डेली आवाज भारती

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा ने कनॉट प्लेस की दुकानें जबरदस्ती बंद करवा दी हैं। राहुल गांधी ने वीडियो में कहा, ÷हमने सब लोगों से कहा कि जब आप मार्च और महारैली के लिए यहां आएंगे, चीजें खरीदें, खरीदारी करें। मगर, यहां कनॉट प्लेस में आते हुए हमें पता लगा कि भाजपा ने सारी की सारी दुकानें जबरदस्ती बंद करवा दी, तो ट्रेडर्स का नुकसान कौन कर रहा है, कैसे हो रहा है, यह आप जान लीजिए।÷ बता दें कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया



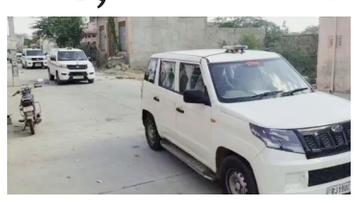
सुले, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव और अन्य नेता कनॉट प्लेस पहुंचे। इससे पहले कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक अन्य पोस्ट शेयर कर लोगों से महारैली में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने लिखा था, %कनॉट प्लेस आइए, साथ चलते हैं या सीधे रामलीला मैदान में मिलते हैं।% राहुल गांधी ने रैली में शामिल होने वाले लोगों से दिल्ली के बाजारों में जाकर खरीदारी करने की अपील भी की थी। रविवार सुबह ही चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने रामलीला मैदान में 1 नवंबर को महारैली के बीच दिल्ली के व्यापार पर आए अभूतपूर्व संकट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चौथा पत्र लिखा है। सीटीआई ने बताया कि इस रैली के चलते दिल्ली के व्यापार पर बड़ा असर हो सकता है। सीटीआई ने कहा कि लगभग 2.5 लाख दुकानें बंद रहने के आसार हैं, रामलीला मैदान के 10 किलोमीटर के दायरे में ट्रांसपोर्ट पूरी तरह ठप रहेगा और 80 प्रतिशत कारोबार पर असर हो सकता है। हालांकि राहुल गांधी ने रैली में शामिल होने वाले लोगों से दिल्ली के बाजारों में जाकर खरीदारी करने की अपील की है, लेकिन सीटीआई का कहना है कि धरातल पर स्थिति बिल्कुल विपरीत है।

ग्राम पंचायत भावी में 150 बैलेट पेपर चोरी होने के बाद पुलिस अलर्ट, गांव में निकाला फ्लैग मार्च

डेली आवाज भारती

जोधपुर। बिलाड़ा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भावी में पंचायती राज चुनाव के दौरान मतदान केंद्र से 150 बैलेट पेपर चोरी होने की घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक पंकज यादव के निर्देशन में गांव के विभिन्न इलाकों में पैदल और वाहनों से फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस ने आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने और भयमुक्त माहौल बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की। मतदान केंद्र से 150 बैलेट पेपर चोरी होने का मामला पुलिस के अनुसार, 30 अक्टूबर 2026 को पंचायती राज चुनाव के दौरान ग्राम भावी के मतदान बूथ से एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा 150 बैलेट पेपर चोरी कर ले जाने की घटना सामने आई थी। इससे निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और शुचिता प्रभावित हुई। इस संबंध में रिटर्निंग अधिकारी की ओर से मामला दर्ज करवाया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी ने ग्राम भावी में पंच और सरपंच पद के चुनाव निरस्त कर पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया।

थाने के घेराव के दौरान आत्मदाह का प्रयास : चुनाव निरस्त किए जाने और अपने कार्यकर्ता को निर्दोष



होने के बावजूद फंसाने का आरोप लगाते हुए 31 अक्टूबर को पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सुनील चौधरी ने पुलिस थाना बिलाड़ा का घेराव किया। इस दौरान सुनील चौधरी ने अपने ऊपर पेट्रोल जैसा तरल पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में लिया। मौके पर एकत्रित भीड़ को हल्का बल प्रयोग कर तितर-बितर किया गया।

RAC, STF और पुलिस जाब्ते ने संभाला मोर्चा : ग्राम भावी में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वरलाल मेघवाल के सुपरविजन में सुरक्षा इंतजाम किए गए। वृताधिकारी बिलाड़ा मनीष देव विश्वकर्मा, वृताधिकारी बालेसर राजेन्द्रसिंह और वृताधिकारी भोपालगढ़ गुलाबाराम के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने फ्लैग मार्च में भाग लिया। इस दौरान थानाधिकारी कापरड़ा सुनीता डूडी, थानाधिकारी बोरूंदा सुजानाराम और थानाधिकारी खेड़ापा लाखाराम सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। आरएसी, एसटीएफ और पुलिस जवानों ने गांव के विभिन्न स्थानों पर पैदल मार्च किया तथा वाहनों से भी गश्त की। पुलिस बल ने क्षेत्र की स्थिति का जायजा लेने के साथ सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

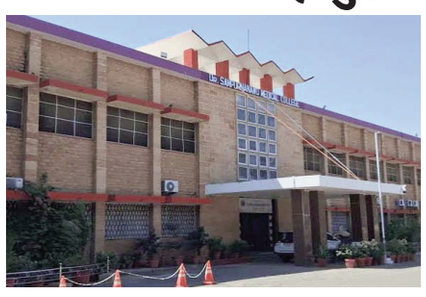
जांच के लिए विशेष जांच दल गठित : जोधपुर ग्रामीण पुलिस के अनुसार, बैलेट पेपर चोरी के मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) का गठन किया गया है। एसआईटी घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपीलद्द पुलिस ने ग्राम भावी के लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपुष्ट सूचनाओं को सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित न करें। पुलिस के अनुसार, क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने या निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज में फिर रैगिंग की शिकायत, जूनियर छात्रों ने NMC से लगाई गुहार

डेली आवाज भारती

जोधपुर। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला एक बार फिर सामने आया है। जूनियर बैच-2026 के विद्यार्थियों ने सीनियर छात्रों के खिलाफ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से शिकायत की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ सीनियर विद्यार्थी जूनियर्स पर खुद को %बॉस% कहलवाने का दबाव बनाते हैं और इंट्रोडक्शन के नाम पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। चार से पांच सीनियर विद्यार्थियों के नाम शिकायत में शामिल जानकारी के अनुसार, जूनियर विद्यार्थियों ने अपनी शिकायत में चार से पांच सीनियर छात्रों के नामों का उल्लेख किया है। एनएमसी को शिकायत मिलने के बाद आयोग ने कॉलेज प्रशासन को ई-मेल भेजकर मामले की जानकारी दी। इसके बाद कॉलेज की एंटी रैगिंग कमेटी ने बैठक बुलाकर जांच शुरू कर दी है। कमेटी ने शिकायत में नामजद विद्यार्थियों से पूछताछ की है। साथ ही उनके मोबाइल फोन की भी जांच की गई। संबंधित विद्यार्थियों को सोमवार को एक बार फिर कमेटी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। कमेटी मामले से जुड़े तथ्यों और



23 दिन में दूसरी शिकायत से कॉलेज में हलचल

पिछले 23 दिनों में रैगिंग से जुड़ी यह दूसरी शिकायत है। लगातार शिकायतें सामने आने से मेडिकल कॉलेज प्रशासन में हलचल है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल कर रही है।

चुनाव आयोग को देश के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को नहीं छीनना चाहिए: शशि थरूर

डेली आवाज भारती

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि 'इंडिया' ब्लॉक का विरोध प्रदर्शन नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है, न कि किसी राजनीतिक दल के लिए। विपक्षी नेता दिल्ली के रामलीला मैदान में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के खिलाफ विरोध जताने के लिए इकट्ठा हुए हैं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में शशि थरूर ने कहा, 'यह पार्टियों की बात नहीं है, यह कांग्रेस की बात नहीं है, यह एक बहुत ही सीधा सा संदेश है कि चुनाव आयोग को भारत के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को नहीं छीनना चाहिए। उन्होंने जो किया, वह पूरी तरह से गलत है, आप 130 मिलियन (13 करोड़) मतदाताओं को सूची से नहीं हटा सकते। यह स्वीकार्य



नहीं है, हमें एक बिल्कुल साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहिए।'उन्होंने आगे कहा, 'हम देश के लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं।' कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, ÷कांग्रेस एक शांतिप्रिय पार्टी है। संविधान हमने ही बनाया है, इसलिए संविधान की रक्षा करना कांग्रेस का कर्तव्य है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मतदाताओं की संख्या में कथित कमी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा।

दिल्ली की महारैली में उमड़ा जनसैलाब भाजपा सरकार की नीतियों के प्रति जनता के आक्रोश का प्रमाण : कुमारी सैलजा

डेली आवाज भारती

सिरसा। सिरसा की सांसद, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य, उत्तराखंड कांग्रेस की प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा ने नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस की 'वोट बचाओ✓देश बचाओ' महारैली को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण जनआंदोलन बताते हुए कहा कि रैली में उमड़ा जनसैलाब केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के प्रति जनता के बढ़ते आक्रोश का प्रतीक है। कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों, विशेष रूप से हरियाणा और उत्तराखंड से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों



और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। उन्होंने रैली में पहुंचे सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम नागरिकों का आभार व्यक्त किया। सांसद ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को लगातार कमजोर कर रही है। संसद में विपक्ष को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जाता। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का सम्मान होना चाहिए, लेकिन सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की निष्पक्षता और स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियाद है। मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों का सरकार को पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव करके अपनी दोहरी नीति उजागर कर रही है। सांसद ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का संघर्ष किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवैधानिक मर्यादाओं और प्रत्येक नागरिक के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए है।

रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन की शक्ति प्रदर्शन रैली, रामलीला मैदान से लोकतंत्र बचाने का संदेश

डेली आवाज भारती

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडी गठबंधन की मेगा रैली में कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर जमकर निशाना साधा। रैली में शामिल नेताओं ने वोट चोरी, मतदाता सूची में अनियमितताओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा उठाया। नेताओं ने आरोप लगाया कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने और मतदाताओं के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और इंडी गठबंधन के अन्य नेताओं के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग जुटे। कांग्रेस नेताओं ने



इसे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए चल रहे संघर्ष का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। विपक्ष पिछले करीब दो वर्षों से चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं का मुद्दा लगातार उठा रहा है और अब इस पर देशभर में चर्चा हो रही है। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने रैली को देश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस आयोजन के साथ देश एक नए युग में प्रवेश करेगा। इस रैली के साथ देश में एक नए समय की शुरुआत होगी और एक नया सवेरा आएगा। आज पूरा देश रामलीला मैदान में राहुल गांधी और इंडी गठबंधन के नेताओं की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक भ्रष्ट व्यवस्था में बदलाव नहीं किया जाता और उसे समाप्त नहीं किया जाता, तब तक देश का कल्याण संभव नहीं है। इसके लिए पूरी व्यवस्था में परिवर्तन लाना आवश्यक है।

कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने रैली में उमड़ी भीड़ को जनता के समर्थन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि यहां लाखों लोग क्यों मौजूद हैं और देशभर में करोड़ों लोग इस रैली में हो रही गतिविधियों को देखने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और पूरे विपक्ष ने पिछले लगभग दो वर्षों से इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। अब उनके प्रयासों के नतीजे सामने आने लगे हैं। इस मुद्दे पर जनता की बढ़ती दिलचस्पी विपक्ष की आवाज को मजबूती दे रही है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक राजनीतिक दल या केवल कांग्रेस की नहीं है, बल्कि देश के नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, ÷यह पार्टियों की बात नहीं है और न ही केवल कांग्रेस का मामला है। यह एक बहुत सीधा संदेश है कि चुनाव आयोग को भारत के लोगों के संवैधानिक अधिकार नहीं छीनने चाहिए। हिमाचल प्रदेश के लिए एआईसीसी प्रभारी रजनी पाटिल ने रैली को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि इसमें लोगों का उत्साह देखने लायक है।

भारतीय बल्लेबाजों ने बनाया सिक्स का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, टी20 में हासिल किया ऐतिहासिक मुकाम

डेली आवाज भारती

हैमिल्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवां टी20 मुकाबला हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 191 रन बनाए। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में कुल 11 छक्के लगाए। भारतीय टीम ने इसके साथ ही साल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 400 छक्के पूरे कर लिए हैं। टीम इंडिया यह मुकाम हासिल करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी है। इससे पहले, क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में अब तक कोई भी टीम एक कैलेंडर ईयर में 400 छक्के नहीं लगा सकी है। खास बात यह है कि साल 2026 में लगाए गए 400 में 142 छक्के भारतीय



बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए हैं, जो एक कैलेंडर ईयर में एक टीम के खिलाफ लगाए गए सबसे ज्यादा सिक्स भी हैं। साल 2026 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में भारत के बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रिया की टीम है, जिसने इस साल खेले 24 मैचों में कुल 224 छक्के लगाए हैं। वहीं, भारतीय टीम ने 40 टी20 मैचों में 400 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज मौजूद है, जिसने 2026 में खेले 21 मुकाबलों में अब तक 224 सिक्स लगाए हैं। टीम इंडिया की तरफ से इस साल बतौर बल्लेबाज सर्वाधिक छक्के अभिषेक शर्मा ने लगाए हैं। वह 2026 में 86 छक्के लगा चुके हैं, जबकि ईशान किशन 60 सिक्स के साथ सूची में दूसरे नंबर पर काबिज हैं। संजू सैमसन के बल्ले से इस साल 50 छक्के आए हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। पांचवें टी20 में टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए, जबकि संजू सैमसन भी 4 रन ही बना सके। हालांकि, इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 93 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन बनाए, तो श्रेयस अय्यर ने 23 गेंदों में 50 रनों का योगदान दिया। नमन धीर ने 23 गेंदों में 33 रन बनाए और नीतीश कुमार रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में एडम मिल्ने ने 4 ओवर में 19 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए।

CMYK

page 8_Layout 1 01-11-2026 21:19 Page 1

पंजाब में आम आदमी पार्टी को झटका

दो विधायकों ने दिया इस्तीफा

2027 विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी में सियासी हलचल, उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने के बाद सामने आया घटनाक्रम



डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में विवार को उस समय हलचल देखने को मिली, जब आम आदमी पार्टी के दो विधायकों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इस्तीफा देने वाले विधायकों में चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा के नाम शामिल हैं। यह घटनाक्रम पार्टी की ओर से 2027 विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के अगले दिन सामने आया। पार्टी की पहली सूची में इन दोनों विधायकों के विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के नाम शामिल नहीं थे। रिपोर्टों के अनुसार, पार्टी ने समाना में सुरजीत सिंह रखड़ा और सनौर में रंनजोध हडाना को हलका इंचार्ज नियुक्त किया था। इन नियुक्तियों के बाद दोनों विधायकों के दोबारा टिकट मिलने को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हरमीत सिंह पठानमाजरा ने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को भेजा, जबकि चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने सोशल मीडिया के जरिए पार्टी छोड़ने की घोषणा की। दोनों के इस्तीफों के बाद पंजाब की राजनीति में चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल दोनों नेताओं के किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले हुए इस घटनाक्रम को आम आदमी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

1984 सिख नरसंहार की बरसी पर कांग्रेस की रैली को लेकर अमित शाह का हमला

- बोले– पीड़ित परिवारों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है यह आयोजन; चंडीगढ़ में विकास परियोजनाओं का भी किया उद्घाटन

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित ढृढ्ढष्ठढ्ढ गठबंधन की रैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सिख नरसंहार की बरसी के दिन ऐसा राजनीतिक आयोजन करना पीड़ित परिवारों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। अमित शाह ने कहा कि 1 नवंबर 1984 को दिल्ली में हजारों सिखों की हत्या की गई थी। अनेक परिवार उजड़ गए, बच्चे अनाथ हुए और महिलाओं ने अपने परिजनों को खोया। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है।' शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने उस समय हुई हिंसा के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाई। गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा ने पहले भी कांग्रेस से अपील की थी कि वह 1, 2 और 3 नवंबर को राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने से बचे, लेकिन इसके बावजूद रैली की गई। उन्होंने इसे सिख समुदाय की भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता बताया। इस दौरान अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि 1984 दंगों से जुड़े मामलों को दोबारा खोला गया और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के प्रयास किए गए। गौरतलब है कि अमित शाह चंडीगढ़ के स्थापना दिवस और चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे।

बलटाना पुलिस ने परिवार से बिछड़े बच्चे को मिलाया

पुलिस की इस मानवीय पहल की स्थानीय लोगों ने की सराहना

डेली आवाज भारती



जीरकपुर। मुसीबत में फंसे एक मासूम बच्चे के लिए बलटाना पुलिस की तत्परता उस समय मददगार साबित हुई, जब पुलिसकर्मियों ने कुछ ही समय में उसे उसके परिवार से मिलवा दिया। सन पार्क होटल के पास करीब तीन से चार घंटे से अकेले घूम रहे पांच साल के बच्चे को सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाने में डायल 112 की टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस की इस मानवीय पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम सन पार्क होटल के पास एक पांच साल का बच्चा काफी देर से अकेला घूम रहा था। आसपास के लोगों ने उसे भटकते देखा, लेकिन उसके परिजनों का कोई पता नहीं चल रहा था। बच्चे की स्थिति को देखते हुए नजदीक के एक ढाबा मालिक ने बिना देर किए डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बलटाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और बच्चे को सुरक्षित अपने साथ लेकर उसके परिवार की तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने बच्चे से बातचीत कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया। इसके बाद उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर आसपास के इलाके में घुमाया और लोगों से पूछताछ की। पुलिस की लगातार कोशिशों के बाद पता चला कि बच्चा अपने पिता के साथ बढ़ावा नगर में रिश्तेदारों के यहां आया हुआ था, जबकि उसका पूरा परिवार सैनी विहार फेस-5 में रहता है। बच्चे की पहचान कौशल के रूप में हुई और उसके पिता का नाम दीपक बताया गया। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर बच्चे को सुरक्षित उनके हवाले कर दिया। काफी देर से बच्चे की तलाश और चिंता में परेशान परिवार ने उसे सुरक्षित देखकर राहत की सांस ली। इस कार्रवाई की जानकारी एएसआई अमरजीत सिंह और कांस्टेबल अरुण कुमार ने दी। स्थानीय लोगों ने कहा कि पुलिस ने समय रहते सूचना पर कार्रवाई कर एक जिम्मेदार और संवेदनशील पुलिसकर्मी होने का परिचय दिया। बालटाना पुलिस की इस तत्परता ने एक परिवार की चिंता को खुशी में बदल दिया।

राहुल की दिल्ली रैली से कांग्रेस ने सिखों के 1984 के नरसंहार के जख्मों को फिर कुरेदा

डेली आवाज भारती



बरनाला/नवीन काली,भारतीय जनता पार्टी के जिला बरनाला के अध्यक्ष नरेंद्र गर्ग नीटा ने 1984 के सिख नरसंहार की बरसी के अवसर पर दिल्ली में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा आयोजित राजनीतिक रैली की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर सिख कौम के लिए शोक, पीड़ा और इतिहास के सबसे दुखद अध्यायों में से एक की याद दिलाने वाला दिन है। ऐसे दिन दिल्ली में राजनीतिक रैली करना 42 साल पुराने जख्मों को फिर से कुरेदने के समान है। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की यह रैली पार्टी की उसी मानसिकता को दर्शाती है, जिसके तहत कथित तौर पर सोची-समझी साजिश के तहत नरसंहार करवाया गया, दोषियों को संरक्षण दिया गया और उन्हें सांसद, केंद्रीय मंत्री तथा मुख्यमंत्री जैसे उच्च पदों से नवाजा गया। उन्होंने कहा कि 1984 में दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों निर्दोष सिखों का कत्लेआम किया गया। हजारों लोगों के गले में टायर डालकर उन्हें जिंदा जला दिया गया, महिलाओं और बेटियों के साथ अत्याचार किए गए तथा लोगों के कारोबार तबाह कर दिए गए। इस दर्दनाक घटना ने सिखों की कई पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर कोई सामान्य तारीख नहीं है, बल्कि ऐसा दर्द है जो चार दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आज भी ताजा है। इसके जख्म आज भी हरे हैं। यह ऐसा अक्षम्य और कभी न भुलाया जा सकने वाला अपराध है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने इस दिन दिल्ली में राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन करके एक बार फिर अपनी सिख विरोधी मानसिकता उजागर की है। जिन परिवारों ने अपने घरों के चिराग खोए हैं, उनके दर्द को राजनीतिक मंच की सीढ़ी बनाना बेहद निंदनीय है। नवीन काली ने कहा कि 1 नवंबर राजनीतिक रैलियां करने का दिन नहीं, बल्कि सिख कौम के दर्द को याद करने, बिछड़ी आत्माओं को श्रद्धांजलि देने और पीड़ित परिवारों के लिए इंसाफ की आवाज बुलंद करने का दिन है।

पंजाब चुनाव से पहले कांग्रेस का बड़ा फैसला, उम्मीदवारों के नाम जल्द होंगे घोषित

- खड़गे और राहुल गांधी ने पंजाब के वरिष्ठ नेताओं के साथ की बैठक

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आम आदमी पार्टी (AAP) की ओर से 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद अब कांग्रेस ने भी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की।

बैठक में पंजाब विधानसभा चुनाव की रणनीति, पार्टी संगठन को मजबूत करने और वरिष्ठ नेताओं के बीच एकजुटता बनाए रखने पर चर्चा हुई। इस दौरान फैसला लिया गया कि कांग्रेस भी अपने उम्मीदवारों की घोषणा पहले करने की तैयारी करेगी, ताकि प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त समय मिल सके। बैठक में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह, प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, सुखजिंदर सिंह रंधावा, विजय इंदर सिंगला, केसी वेणुगोपाल और पंजाब प्रभारी सचिन पायलट सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, बैठक में करीब 50 विधानसभा सीटों पर चर्चा हुई, लेकिन अभी किसी उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप नहीं दिया गया। इस संबंध में 2 नवंबर को दिल्ली में एक और बैठक प्रस्तावित है। इसके साथ ही 4 नवंबर को संगरूर में होने वाली कांग्रेस की 'इंसाफ रैली' की तैयारियों पर भी विचार किया गया। इस रैली में राहुल गांधी के शामिल होने की संभावना है।

पंजाब में 5 और 6 नवंबर को सरकारी दफ्तरों में कामकाज ठप करने का ऐलान



- मिनिस्टीरियल कर्मचारियों ने संघर्ष तेज करने का लिया फैसला

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। पंजाब में सरकारी कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर आंदोलन तेज होने जा रहा है। पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन ने 5 और 6 नवंबर को प्रदेशभर के सरकारी कार्यालयों में दो दिवसीय कलम छोड़ हड़ताल करने का ऐलान किया है। इस दौरान कर्मचारी कार्यालयों में नियमित कामकाज बंद रखेंगे। यूनियन की ओर से 1 नवंबर को मोगा में आयोजित राज्य स्तरीय बैठक में संघर्ष का अगला कार्यक्रम तय किया गया। कर्मचारी नेताओं के अनुसार, 3 नवंबर को सभी जिलों में सरकारी कार्यालयों के बाहर गेट रैलियां की जाएंगी। इसके बाद 4 नवंबर को जिला मुख्यालयों पर पंजाब सरकार के पुतले फूंककर रोष प्रदर्शन किया जाएगा। कर्मचारी लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना (OPS) बहाल करने, महंगाई भत्ते (DA) की बकाया किस्तें और एरियर जारी करने, पेंशन में संशोधन करने तथा सरकार की ओर से बंद किए गए 37 भत्तों को दोबारा शुरू करने की मांग कर रहे हैं।

गांव दुसारना में परमिंदर सिंह गोल्डी ने बुजुर्गों को बांटीं सहायक किटें

- करीब 10 लाख रुपये की लागत से 100 बुजुर्गों को वितरित किया गया सहायक सामान

डेली आवाज भारती



कुराली, संदीप अकालगढ़िया। गांव दुसारना में बुजुर्गों और जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता के लिए विशेष कैंप लगाया गया। इस मौके पर हलका खरड़ के इंचार्ज परमिंदर सिंह गोल्डी की ओर से बुजुर्गों को सहायक किटें और मेडिकल उपकरण वितरित किए गए। बलविंदर कौर के नेतृत्व में सीएसआर (ष्टस्क्र) योजना के तहत लगाए गए इस कैंप के दौरान एलिम्को (ृह्लह्लष्ठह्व) कंपनी की ओर से करीब 100 बुजुर्गों को लगभग 10 लाख रुपये की कीमत का सहायक सामान उपलब्ध करवाया गया। इस सामान में व्हीलचेयर, सुनने वाली मशीनें, विभिन्न प्रकार की सहायक बेल्टें, घुटनों के कैप, बैसाखियां तथा बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने वाले अन्य सहायक उपकरण शामिल थे। इस मौके पर परमिंदर सिंह गोल्डी ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना और उनकी जरूरतों को पूरा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सहायता कैंप हलके के अन्य गांवों में भी लगाए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद बुजुर्गों को उनकी आवश्यकता के अनुसार व्हीलचेयर, बेल्टें और अन्य मेडिकल सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जा सकें। उन्होंने एलिम्को कंपनी का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि कंपनी की ओर से दिया गया यह सहयोग बुजुर्गों के लिए लाभदायक साबित होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी गांव-गांव ऐसे कैंप लगाकर जरूरतमंद बुजुर्गों की सहायता की जाएगी। इस मौके पर बलविंदर कौर, गांव के सरपंच बलकार सिंह, गुरशरण सिंह हलका संगठन इंचार्ज सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हलका जंडियाला गुरु के गांव छापा राम सिंह से 84वीं तीर्थयात्रा बस श्रद्धालुओं को लेकर रवाना

जंडियाला गुरु/अमृतसर, के.एस. बेदीनवंबर- पंजाब के लोक निर्माण मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज विधानसभा हलका जंडियाला गुरु के गांव छापा राम सिंह से हलके की 84वीं तीर्थयात्रा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस बस के माध्यम से श्रद्धालु श्री आनंदपुर साहिब, श्री कीरतपुर साहिब और श्री नैना देवी धाम के दर्शन करेंगे। श्रद्धालुओं को रवाना करते हुए कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत प्रदेशवासियों को विभिन्न धार्मिक स्थलों के नि:शुल्क दर्शन करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह यात्रा पूरी तरह नि:शुल्क है। यात्रियों को धार्मिक स्थलों तक ले जाने और वापस लाने के अलावा यात्रा के दौरान रहने-सहने सहित अन्य आवश्यक प्रबंध भी पंजाब सरकार द्वारा किए जाते हैं, ताकि समाज के हर वर्ग के लोग बिना किसी आर्थिक बोझ के अपनी धार्मिक आस्था के अनुसार तीर्थ स्थलों के दर्शन कर सकें।

खरड़ से संगरूर रैली में बड़ी संख्या में पहुंचेंगे कांग्रेसी वर्कर और नेता: कंग



- कहा- कांग्रेस लाओ, आप भगाओ, पंजाब बचाओ

डेली आवाज भारती

खरड़, संदीप अकालगढ़िया। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सरदार जगमोहन सिंह कंग ने 4 नवंबर 2026 को संगरूर में श्री राहुल गांधी के आगमन पर पंजाब कांग्रेस की ओर से आयोजित की जा रही 'इंसाफ रैली' में शामिल होने के लिए रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से खरड़ में कांग्रेसी वर्करों और नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान वर्करों में काफी उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर सरदार कंग ने बताया कि विधानसभा हलका खरड़ के ब्लॉक खरड़ और माजरी, नगर काउंसिल खरड़, कुराली तथा नया गांव से बड़ी संख्या में कांग्रेसी वर्कर और नेता इस रैली में पहुंचेंगे। वर्करों एवं गणमान्य व्यक्तियों की ड्यूटियां लगाते हुए सरदार कंग ने कहा कि यह एक निर्णायक रैली होगी, जिसमें श्री राहुल गांधी, दिल्ली और पंजाब की वरिष्ठ कांग्रेस लीडरशिप मोदी/एनडीए सरकार की जनविरोधी नीतियों तथा पंजाब में आम आदमी पार्टी की मौजूदा सरकार के शासन के दौरान बने हालात पर चर्चा करेगी। उन्होंने सभी वर्करों से बड़ी संख्या में रैली में पहुंचने की अपील भी की।

गांव बड़ौदी में युवाओं की ओर से आयोजित बैठक के दौरान पंजाब के मौजूदा हालात पर हुई चर्चा

नशों का खात्मा और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा को लेकर लोगों ने जताई चिंता

डेली आवाज भारती



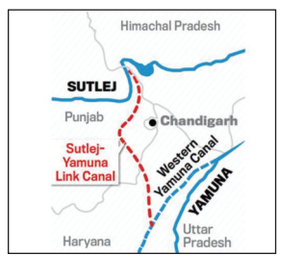
कुराली/माजरी, संदीप अकालगढ़िया : यहां के नजदीकी गांव बड़ौदी में यूथ नेता जसवंत सिंह और गांव के समस्त युवाओं की ओर से समाज कल्याण मिशन के तहत एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अकाली दल वारिस पंजाब संगठन के वरिष्ठ नेता शुभचरण सिंह भंगू विशेष रूप से पहुंचे और उन्होंने गांववासियों के साथ प्रदेश के मौजूदा हालात सहित इलाके की विभिन्न समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया। इस मौके पर गांववासियों ने अपने इलाके की समस्याओं के साथ-साथ पंजाब की मौजूदा स्थिति और युवा पीढ़ी के भविष्य को लेकर अपनी चिंताएं खुलकर सामने रखीं। बातचीत के दौरान मौजूदा सरकार की कार्यप्रणाली के प्रति लोगों में निराशा होने की बात भी सामने आई। इस बैठक के दौरान गांववासियों ने पंजाब को दोबारा खुशहाल और नशामुक्त बनाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि नशों के कारण उजड़ रहे घरों को बचाना और युवाओं को रोजगार तथा तरक्की के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना समय की मुख्य जरूरत है। इस दौरान सरदार भंगू की ओर से नशों के खात्मे, पंजाब के अन्य अहम मुद्दों और प्रदेश के भविष्य को लेकर भाई अमृतपाल सिंह खालसा की सोच के बारे में गांववासियों को विस्तार से जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि पंजाब की बेहतरी के लिए सिर्फ वादों की नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांववासियों की ओर से मिला प्यार, सहयोग और कीमती सुझाव लोक सेवा के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाते हैं। इस मौके पर वरिष्ठ नेता जगमोहन सिंह मुंधों, जसवंत सिंह, अंशुल वर्मा, साहिल वर्मा, जतिंदर सिंह अंधेड़ी, दिलबर सिंह अधरेड़ा, शरणजीत सिंह बड़ौदी, चरणजीत सिंह चन्नी सरपंच मुंधों, गुरसेवक सिंह काला, जतिंदर सिंह फौजी कुराली, गुरप्रीत सिंह खालसा, लखबीर सिंह खालसा अंधेड़ी सहित बड़ी संख्या में गांववासी और पार्टी वर्कर उपस्थित थे।

पंजाब के पानी पर मान सरकार का बड़ा दांव, राजस्थान से मांगी 1.44 लाख करोड़ की रॉयल्टी

डेली आवाज भारती

विधानसभा में पांच प्रस्ताव पारित, यमुना के पानी में भी मांगी हिस्सेदारी; तीन प्रमुख हेडवर्क्स पर पंजाब का नियंत्रण स्थापित करने की मांग





चंडीगढ़। पंजाब दिवस के अवसर पर राज्य में पानी के अधिकारों को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य के नदी जल अधिकारों को लेकर बड़ा कदम उठाते हुए विधानसभा में पांच महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करवाए हैं। इन प्रस्तावों के तहत राजस्थान से सतलुज, रावी और ब्यास नदियों के पानी के इस्तेमाल के बदले 1.44 लाख करोड़ रुपये की रॉयल्टी की मांग की गई है। इसके अलावा पंजाब ने यमुना नदी के पानी में भी अपना उचित हिस्सा मांगा है। पंजाब सरकार ने रूपनगर, हरिके और फिरोजपुर हेडवर्क्स का स्थायी प्रशासनिक नियंत्रण राज्य को सौंपने की मांग उठाई है। इसके साथ ही बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 को रद्द करने और रावी नदी का पाकिस्तान की ओर जा रहा पानी पंजाब के उपयोग में लाने के लिए परियोजनाओं को मंजूरी देने की मांग भी प्रस्तावों में शामिल है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट किया कि पंजाब अपने हिस्से के पानी की एक भी बूंद किसी को नहीं जाने देगा। सरकार ने इन मांगों को लेकर कानूनी और संवैधानिक स्तर पर लड़ाई जारी रखने की बात कही है। हालांकि, राजस्थान सरकार पहले ही रॉयल्टी की मांग को खारिज कर चुकी है। ऐसे में आने वाले समय में पंजाब और राजस्थान के बीच पानी का विवाद और गहरा सकता है।

CMYK